रूड़की का प्रथम व एक मात्र हिन्दी दैनिक

परम नागरिक

यानि केवल पत्रकारिता

Now Visit us:
www.paramnagrik.in

आर.एन.आई. सं. UTTHIN/2011/36627
डाक पंजीयन- जी U/ADO/DDN/03/2024-2026

वर्ष 15 अंक 25 कुल पृष्ठ 8 रुड़की (हरिद्वार) शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025 मूल्य ₹ 3.00

पीएम मोदी के रहते मुमकिन नहीं 370 की वापसी : सीएम अब्दुल्ला

ईएमएस

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भले ही केंद्र सरकार से अच्छे संबंध बताए जाते हैं लेकिन मौका आने पर उमर अपनी बात कहने से नहीं चूकते हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो उनकी सरकार केंद्र के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ शब्दों में कहा है कि पीएम मोदी के रहते जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 की वापसी नहीं हो सकती है।

दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला से जब यह पूछा गया कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, क्या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के बहाल होने की कोई संभावना है? उमर अब्दुल्ला ने साफ शब्दों में कहा कि नहीं, इसकी कोई संभावना नहीं है।

उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति अपनी दृष्टिकोण को लेकर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले कुछ महीनों में केंद्र के साथ एक सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, कम से कम मेरी सरकार के पहले कुछ महीनों में मुझे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए केंद्र सरकार के साथ एक अच्छा कार्य संबंध स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला ने अपनी स्थिति को स्पष्ट किया।

सुप्रीम कोर्ट ने एमसीआई के नियम को रखा बरकरार

विदेश से एमबीबीएस करने को भी नीट यूजी पास करना जरुरी

ईएमएस

नई दिल्ली। विदेश से एमबीबीएस करने के लिए नीट यूजी परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नियम को बरकरार रखा है। केंद्र की ओर से 2018 में लाया गया यह नियम सुनिश्चित करता है कि विदेश में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्र भारत में मेडिसिन की प्रैक्टिस करने के लिए जरूरी मानकों को पूरा करें। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि यह रेगुलेशन निष्पक्ष व पारदर्शी है और किसी भी वैधानिक प्रावधान या संविधान के खिलाफ नहीं है। अदालत ने कहा कि यह नियम इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 के किसी भी प्रावधान के विपरीत नहीं है और न ही किसी भी तरह से मनमाना या अनुचित है। नीट यूजी पास करने की आवश्यकता ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन, 1997 में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अतिरिक्त है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। बता दें कि वर्ष 2018 से उन भारतीय छात्रों के लिए नीट यूजी पास करना अनिवार्य किया गया है जो विदेश से एमबीबीएस कर भारत में डॉक्टरी करना चाहते हैं। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने एमसीआई के रेगुलेशन को चुनौती देकर तर्क दिया था कि इस प्रावधान को इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 में संशोधन किए बिना लाया गया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मेडिकल काउंसिल के पास एक्ट की धारा 33 के तहत रेगुलेशन पेश करने का अधिकार मिला हुआ था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमें रेगुलेशन में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार के लिए छूट देने के लिए भी साफ इंकार किया। पीठ ने कहा, जाहिर सी बात है कि संशोधित रेगुलेशन लागू होने के बाद यदि कोई उम्मीदवार प्राइमरी मेडिकल एजुकेशन लेने के लिए किसी विदेशी संस्थान में एडमिशन लेना चाहता है, तब वे रेगुलेशन से छूट की मांग नहीं कर सकते हैं। ये रेगुलेशन देश के भीतर डॉक्टरी करने के लिए आवश्यक पात्रता मानदंड निर्धारित करते हैं। यह भारत के बाहर कहीं भी डॉक्टरी करने के उनके अधिकार को प्रतिबंधित नहीं करता है।

एक लाख करोड़ का बजट उत्तराखण्ड विधानसभा में पेश

आरएनएस

देहरादून। बजट केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह हमारे प्रदेश की आर्थिक दिशा, नीतियों और सामाजिक कल्याण पहलों को आकार देने का एक शक्तिशाली साधन है। बजट 2025-26 का आकार लगभग घ्1,01,175.33 करोड़ है। यह 2024-25 के अनुमान घ्89,230.07 करोड़ से लगभग 13 प्रतिशत अधिक है। पहली बार घ्1 लाख करोड़ से अधिक का बजट प्रस्तुत करने का सौभाग्य हमारी सरकार को प्राप्त हुआ है। राज्य गठन के उपरान्त 2001-02 में घ्4,506 करोड़ का बजट पेश किया गया था। इस प्रकार 24 वर्षों में लगभग 24 गुना बजट हमने आज प्रस्तुत किया है।

लगभग 16.68 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इस बजट में घ्16,961.32 करोड़ का प्रावधान जेंडर बजट में किया गया है। इकॉलोजी, इकोनामी, इनोवेशन, टेक्नालॉजी, सस्टेनेबल व इन्क्लूजिव डेवलवपमेंट तथा एकाउन्टेबिलिटी के व्यापक फ्रेमवर्क को ध्यान में रखते हुए हम कार्य कर रहे हैं।

सरलता, समाधान और निस्तारीकरण द्वारा विकास के अवरोध दूर कर रहे हैं। हम ध्येय पथ पर बढ़ रहे हैं। इस बजट में हम नई अनेक नई योजनाएं लेकर आये हैं:- वेंचर फंड की स्थापना। रिवर फ्रन्ट डेवलपमेंट परियोजना। प्रवासी उत्तराखण्ड परिषद।

यू.आई.आई.डी.बी. को परामर्शी सेवाओं एवं सर्विस सेक्टर सब्सिडी। रेणुका जी बांध परियोजना मे राज्य की अंशपूंजी। स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत इलेक्ट्रिक बसों के संचालन। खेल विश्वविद्यालय की स्थापना। होमगार्ड कल्याण कोष।

मादक पदार्थों से सम्बन्धित अभियोग में कार्यवाही के लिए पुलिस कर्मियों आदि के उत्साहवर्धन हेतु रिवाल्विंग फंड की स्थापना। सैनिक विश्राम गृहों की साज सज्जा।

यह बजट नमो यानि नवाचार, आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड, महान विरासत व ओजस्वी मानव संसाधन की थीम पर आधारित है।

नमो का प्रथम बिन्दु छ अर्थात नवाचार के प्रतीक अनेक बिन्दु जैसे परिवार पहचान पत्र, पेपरलेस रजिस्ट्रेशन, बायोमैट्रिक आधारित आधार प्रमाणीकरण, फायर हाइड्रेन्ट मशीन, स्मार्ट मीटर, साईंस सॅन्टर, स्मार्ट क्लास के लिए बजट में प्रावधान किया गया है।

नमो के दूसरे बिन्दु ।अर्थात आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड के लिए बजट में "सप्तऋषि" की अवधारणा दी गयी है: कृषि, उद्योग, ऊर्जा, अवसरंचना, संयोजकता, पर्यटन तथा आयुष। ये 'सप्तऋषि आधुनिक उत्तराखण्ड के हमारे ग्रोथ इंजन हैं।

नमो के तीसरे बिन्दु ड अर्थात महान विरासत के संरक्षण के लिए अनेक पहल हमारी सरकार ने की है:-

शीतकालीन यात्रा, आदि कैलाश, ओम पर्वत आदि पवित्र स्थानों के लिए सड़क संयोजकता को सुगम बनाना, गोविंद घाट से घांघरिया मार्ग का नाम साहिबजादे जोरावर सिंह, बिडौरा छेवी पातशाही गेट से धूमखेड़ा मार्ग का नाम साहिबजादे फतेह सिंह मार्ग किए जाने की स्वीकृति आदि।

हरिद्वार और ऋषिकेश के पुनर्विकास, शारदा रिवर फ्रंट और इसके निकटवर्ती क्षेत्रों का विकास, कांवड़ मेले के आयोजन, अर्द्धकुम्भ मेले की प्रारम्भिक तैयारी, ऋषिकेश में हिमालयन संग्रहालय की स्थापना हेतु विभिन्न मेलों के आयोजन, संस्कृत पाठशालाओं व विश्वविद्यालय को अनुदान आदि हेतु बजट प्रावधान किये गये हैं।

यह बजट नमो यानि नवाचार, आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड, महान विरासत व ओजस्वी मानव संसाधन की थीम पर आधारित है।

सरकार के भविष्य की योजनाओं का रोडमैप है बजट : धामी

आरएनएस

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि विधानसभा के पटल पर पेश बजट सरकार के भविष्य की योजनाओं का रोडमैप है। पिछले वर्ष के मुकाबले बजट में 13 फीसदी की बढ़ोत्तरी की गई है और बजट में कई नए पहलुओं को शामिल किया गया है। विधानसभा में गुरुवार को सदन के पटल पर बजट पेश होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री धामी ने यह बात कही। उन्होंने उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में ऐतिहासिक बजट पेश करने के लिए वित्त मंत्री और पूरी टीम को बधाई दी। कहा कि बजट राज्य सरकार की प्राथमिकताओं और संकल्पों को प्रस्तुत करता है, जो सरकार की भविष्य की योजनाओं को पेश करता है।

धामी ने कहा कि राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष में बजट के आकार ने एक लाख करोड़ को पार किया है। पिछले बजट की तुलना में इस वर्ष के 13 फीसदी का इजाफा हुआ है। राज्य के प्रथम बजट से इस बार का बजट 24 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि बजट ईकोलॉजी, इकोनोमी, इन्नोवेशन, इन्क्लूसिव और सस्टेनेबल डेवेलपमेंट के साथ-साथ टेक्नोलॉजी और एकाउन्टेबिलिटी को ध्यान में रख कर बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र का है। प्रधानमंत्री ने बाबा केदार के धाम से कहा था कि इस सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा, इसी को ध्येय लेकर बजट में इस संकल्प की प्राप्ति के लिए प्रयास किए गए हैं, जो आने वाले समय में राज्य के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट आदर्श उत्तराखंड बनाने तथा उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के संकल्प को पूरा करेगा।

उत्तराखंड की अवधारणा को साकार करने वाला है बजट : महाराज

आरएनएस

देहरादून। प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, जलागम एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड की धामी सरकार द्वारा विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश 1,01,175 करोड़ के बजट को समावेशी और जन सामान्य का बजट बताया है।

प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, जलागम एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड की धामी सरकार द्वारा विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश 1,01,175 करोड़ के बजट को समावेशी और जन सामान्य का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट कृषि, सिंचाई, ऊर्जा, अवसंरचना, संयोजकता, आयुष, पर्यटन, शिक्षा, चिकित्सा, प्रदेश में सड़कों के निर्माण और सभी वर्गों के विकास एवं उत्थान बजट बताया है।

श्री महाराज ने कहा कि प्रदेश के जनमानस को सुगम एवं स्तरीय सड़क सुविधा का लाभ मिल सकें, इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए लोक निर्माण विभाग की अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2882.0820 करोड़, प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पर्यटन विभाग हेतु बजट में 478.7605 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया गया है। इसी प्रकार प्रदेश में कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संचालित हो रही सिंचाई विभाग की योजनाओं हेतु 1658.4115 करोड़ रुपए और लघु सिंचाई विभाग के कार्यों हेतु 239.3279 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया गया है। धामी सरकार ने इस बजट में पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए राजस्व एवं पूंजीगत मद में 163.38 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया है।

रेखा गुप्ता बनीं दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों ने भी ली शपथ

ईएमएस

नई दिल्ली। दिल्ली में आज से रेखा सरकार का आगाज हो चुका है। रेखा गुप्ता (50वर्ष) ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह समेत बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और एनडीए के वरिष्ठ नेता एवं अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

गौरतलब है कि रेखा गुप्ता दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। उनसे पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। बीजेपी ने 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है, जिससे यह पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बन गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ उनकी कैबिनेट के अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की है। मंत्री पद की शपथ ग्रहण करने वालों में प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और पंकज सिंह के नाम शामिल हैं।

यहां बताते चलें कि रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को 29,000 से अधिक वोटों से हराकर जीत दर्ज की थी। वहीं, प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली विधानसभा सीट से अरविंद केजरीवाल को हराया।

राजभवन में मनाया गया अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम राज्य का स्थापना दिवस

राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है अरुणाचल प्रदेश : राज्यपाल

संवाद सहयोगी

देहरादून। राजभवन में अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दोनों राज्यों के उत्तराखण्ड में रह रहे छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के छात्र-छात्राओं ने अपने पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत किए। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दोनों राज्यों के पारंपरिक नृत्य, संगीत और लोक कला की झलक देखने को मिली। राज्यपाल ने सेना में सेवा के दौरान यहां कार्य करने के अनुभवों को साझा किया और कहा कि पूर्वोत्तर के ये दोनों राज्य अपनी समृद्ध परंपराओं, जैव विविधता और सुरम्य प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत, संगीत, नृत्य के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, और यहाँ के वीर जवानों का भारतीय सेना में योगदान हमेशा प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को और अधिक सशक्त करें और राष्ट्र को प्रगति के नए शिखर पर ले जाएँ। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उपस्थित सभी लोगों को पूरे प्रदेश की ओर से स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त करने के लिए देश के विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की परंपरा प्रारंभ की गई है।

देश में दलित नहीं होते तो देश को संविधान नहीं मिलता : राहुल गांधी

ईएमएस

रायबरेली। देश के संविधान में दलितों का योगदान रेखांकित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि डॉ. बी आर आंबेडकर के पास सुविधाओं का अभाव था, फिर भी उन्होंने पूरी राजनीतिक व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। उन्होंने कहा कि अगर इस देश में दलित नहीं होते तो इस देश को संविधान नहीं मिलता। कांग्रेस नेता और रायबरेली के सांसद ने यहां बरगद चौराहा के पास 'मूल भारती' छात्रावास के दलित छात्रों के एक समूह से बातचीत करते हुए यह बात कही। उनके साथ कांग्रेस के अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा और पार्टी के अन्य नेता भी थे। देश की बड़ी 500 फर्मों में शामिल कुछ शीर्ष निजी कंपनियों का नाम लेते हुए राहुल गांधी ने युवाओं से पूछा कि उनमें से कितनी कंपनियों के प्रमुख दलित हैं। जब एक युवा ने जवाब दिया 'कोई नहीं', इस पर उन्होंने उससे पूछा, 'क्यों नहीं?' तब दूसरे युवा ने जवाब में कहा कि क्योंकि हमारे पास पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं'। राहुल गांधी ने असहमति जताते हुए कहा आंबेडकर जी के पास कोई सुविधा नहीं थी। वे अपने प्रयासों में अकेले थे, फिर भी उन्होंने देश की राजनीति को हिलाकर रख दिया था। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एक पूरी व्यवस्था है जो दलितों के खिलाफ है और नहीं चाहती कि वे आगे बढ़ें। ''व्यवस्था आप पर हर रोज हमला करती है और आधे से ज्यादा बार तो आपको पता भी नहीं चलता कि यह आप पर कैसे हमला करती है।''

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ''आपको यह समझने की जरूरत है कि संविधान की विचारधारा ही आपकी विचारधारा है। मैं आपको गारंटी के साथ कह सकता हूं कि अगर इस देश में दलित नहीं होते तो इस देश को संविधान नहीं मिलता। यह आपकी विचारधारा है, यह आपका संविधान है लेकिन आप जहां भी जाते हैं, आपको कुचल दिया जाता है।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी बृहस्पतिवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे।

कांवड़ यात्रा में बढ़ी भीड़

हरिद्वार। मंगनरी में गुरुवार को कांवड़ियों की संख्या बढ़ गई। बारिश के बावजूद भी बाजार में भीड़ नजर आई। इस कारण हाईवे पर वाहनों का दबाव अधिक रहा। सुबह चंडीघाट चौक के पास वाहनों की लंबी कतार लग गई। फाल्गुनी कांवड़ में इन दिनों हरिद्वार में कांवड़ियों की संख्या बढ़ गई है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि है। इससे पूर्व गुरुवार को बड़ी संख्या में कांवड़ियों के हरिद्वार पहुंचने शुरू हो गए हैं। चंडीघाट पुल पर कांवड़ियों की अधिक भीड़ होने से वाहनों की आवाजाही अभी तो कोई दिक्कत नहीं आ रही है, लेकिन अगले तीन दिनों में भारी भीड़ हरिद्वार में उमड़ने का अनुमान है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि आने वाले दिनों में श्यामपुर से आने वाले वाहनों को चीला मार्ग से हाईवे पर भेजने की योजना है। भीड़ बढ़ने के बाद ही ट्रैफिक प्लान को लागू किया जाएगा।

वहीं दूसरी ओर शिवालिक नगर पालिका के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने टिहरी विस्थापित कालोनी में दो आंतरिक सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सड़कें बनने से लोगों को आवाजाही की सुविधा मिलेगी। भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी और सभासद बृजलेश देवी ने इसे अच्छी पहल बताया। इस मौके पर युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अंशुल शर्मा, रीतु ठाकुर, चन्द्रभान सिंह, प्रदीप चौबे, मुकेश त्रिखा, गौरव रौतेला, गौरव गुजर, वेदांत चौहान, अशोक उपाध्याय, अनिता भंडारी, साधना, दीपक राय, चन्द्रशेखर झां, रिना नेगी, शोभन दत्ता, मोहित शर्मा, अंकित गुजर, सरदार नरेंद्र सिंह, सिताराम, ए के मिश्रा, राजेश बिष्ट, प्रह्लाद कुमार, आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने

आंतरिक सड़कों के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने टिहरी विस्थापित कालोनी में आंतरिक सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। सड़क निर्माण शुरू होने पर स्थानीय निवासियों ने राजीव शर्मा का स्वागत किया और उनका आभार जताया। पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि गली नं.1-4 की सड़कों का निर्माण होने से न केवल यातायात की सुविधा बेहतर होगी, बल्कि इलाके में सफाई और सुरक्षा में भी सुधार आएगा। हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और उनके जीवनस्तर में सुधार हो। राजीव शर्मा ने यह भी कहा कि शहर की सुंदरता बढ़ाने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए कई विकास कार्यों की योजना

बनाई जा रही है। भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी ने कहा कि सड़कों के निर्माण से न केवल इस क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि स्थानीय निवासियों को जो परेशानी उठानी पड़ती थी, वह भी समाप्त हो जाएगी। भाजपा का उद्देश्य हमेशा जनता की सेवा करना है, और यह काम उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। स्थानीय सभासद बृजलेश देवी ने कहा सड़क निर्माण कार्य स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी राहत है। इस कार्य के पूरा होने से स्थानीय निवासियों को गढ्ढों और खराब सड़कों से निजात मिलेगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, सभासद बृजलेश देवी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अंशुल शर्मा, रीतु ठाकुर, चन्द्रभान सिंह, प्रदीप चौबे, मुकेश त्रिखा, गौरव रौतेला, गौरव गुजर, वेदांत चौहान, अशोक उपाध्याय, अनिता भंडारी, साधना, दीपक राय, चन्द्रशेखर झां, रीना नेगी, शोभन दत्ता, मोहित शर्मा, अंकित गुजर, सरदार नरेंद्र सिंह, सिताराम, एके मिश्रा, राजेश बिष्ट, प्रहलाद कुमार आदि मौजूद रहे।

भू-कानून में पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्र के लिए अलग नियमों पर पुर्नविचार करने की मांग

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। तीर्थ सेवा न्यास के अध्यक्ष स्वामी राम विशाल दास महाराज ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नए भू-कानून में पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों के लिए भिन्न नियम लागू करने पर पुनर्विचार करने की मांग की है। पत्र में स्वामी रामविशाल दास महाराज ने कहा है कि नव प्रस्तावित भू-कानून में पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों के लिए अलग-अलग नियम बनाने का जो प्रस्ताव है, वह उत्तराखंड में क्षेत्रवाद को बढ़ावा देने का कार्य करेगा। यह नीति राज्य की एकता एवं समान विकास के सिद्धांतों के विपरीत प्रतीत होती है। इससे सामाजिक एवं क्षेत्रीय विभाजन और पहाड़ एवं मैदानी क्षेत्रों में आपसी वैमनस्य बढ़ सकता है, जो राज्य की एकता के लिए ठीक नहीं है। निवेश एवं विकास में असमानता अलग-अलग नियमों के कारण निवेशकों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होगी। जिससे विकास कार्य प्रभावित होंगे। एक क्षेत्र के लिए सख्त नियम एवं दूसरे के लिए शिथिल नियम होने से आर्थिक असंतुलन बढ़ेगा और लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। यह नीति समानता के संवैधानिक अधिकार के भी विपरीत है, जिससे कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। मुख्यमंत्री से सकारात्मक निर्णय लेने की आशा व्यक्त करते हुए स्वामी रामविशाल दास महाराज ने मांग की है कि एक समान एवं संतुलित भू-कानून बनाया जाए। जो पूरे राज्य के हित में हो, ताकि उत्तराखंड के सभी क्षेत्रों का समुचित विकास हो और सामाजिक सौहार्द बना रहे।

नर्स की संदिग्ध मौत के बाद जांच की मांग

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। सिडकुल क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में मृत मिली नर्स सलोनी के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर संतोष जनक जवाब नहीं देने और मामले में पुलिस जांच आगे नहीं बढ़ाने का आरोप लगाया है। मृत सलोनी के परिजन भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधि मंडल के साथ एसएसपी कार्यालय में एसपी क्राइम से मिले।

महासंघ के जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि पूरे मामले में घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने कर दोषियों को सख्त सजा, मृत परिवार को आर्थिक सहायता, अस्पताल प्रशासन की जवाबदेही तय करने और भविष्य में इस तरह की घटना आदि पर लगाम लगे। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन दिया गया।

किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता-रानीपुर कोतवाली क्षेत्र से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

रपट पुलिया के पास झुग्गी झोपड़ी टिहरी विस्थापित कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया कि 17 फरवरी की सुबह उसकी 17 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई। इसके बाद फिर लौटकर नहीं आई। सभी जगह तलाश करने पर भी कुछ पता नहीं चल पाया है। कोतवाल कमल मोहन भंडारी ने बताया कि किशोरी की तलाश की जा रही है।

धामी सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट स्वागत योग्य

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष सुनील सेठी ने धामी सरकार द्वारा जारी बजट पर सरकार को बधाई देते आर्थिक संतुलन के हिसाब से प्रस्तुत किया गया स्वागत योग्य बजट बताया।

जिला अध्यक्ष सुनील सेठी ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, ग्रामीण विकास, उद्योगों को बढ़ाने वाला, बस अड्डों के पुनर्निमाण, बांधों की व्यवस्था, जल, अग्नि, वन क्षेत्रों के लिए विशेष व्यवस्थाएं देने वाला बजट वित मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया है। बजट स्वागत योग्य है। बजट उत्तराखंड के आर्थिक संतुलन को स्थापित करता है। जिसके लिए व्यापारिक दृष्टिकोण और जनहित के हिसाब से धामी सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर

वित मंत्री को बधाई देते हैं। बधाई देने वालो में मुख्य रूप से प्रीत कमल सारस्वत, पंकज माटा, भूदेव शर्मा, सुनील मनोचा, पवन पंडित, अनिल कोरी, हरीश अरोड़ा, रमन सिंह, रवि बांगा, राकेश सिंह, गौरव खन्ना, नंदकिशोर पंडित, सोनू चौधरी, एसके सैनी, धर्मपाल सिंह आदि शामिल रहे।

हरिद्वार में 21 से 23 फरवरी तक आयोजित होगी 23वीं उत्तराखंड वेटरन स्टेट बेडमिंटन चौंपियनशिप-23 वीं उत्तराखंड वेटरन स्टेट बैडमिंटन चौंपियनशिप शुक्रवार से सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भल्ला कॉलेज में शुरू होने जा रही है। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर के करीब 240 बैडमिंटन खिलाड़ी जुटेंगे। चौंपियनशिप में 35 वर्ष से 75 प्लस आयु वर्ग के महिला और पुरुष खिलाड़ी सिंगल्स, डबल्स और मिक्स डबल्स मैच में प्रतिभाग करेंगे। बैडमिंटन एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अलकनंदा अशोक के नेतृत्व में आयोजित होने वाली इस चौंपियनशिप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। इसका उद्घाटन एचआरडीए उपाध्यक्ष अंशुल सिंह करेंगे। एचआरडीए के सचिव मनीष सिंह विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

नर्सिंग विभाग ने किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। हरिद्वार यूनिवर्सिटी के नर्सिंग विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट सेल्फ एग्जामिनेशन और मेंस्ट्रुअल हाइजीन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में आयोजित किए गए कार्यक्रम में सभी महिला फैकल्टी और विभिन्न विभागों की छात्राओं ने भाग लिया।

गेस्ट लेक्चरर मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम की डा.पूजा मित्तल ने नॉर्मल मेंस्ट्रुएशन की जांच तकनीक, पीसीओडी और पीसीओएस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए। प्रो-वाइस चांसलर डा.रमा भार्गव, वाइस चांसलर डा.धरमवीर सिंह और नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.सोनिया शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर विनीता

पांडे, मानसी मौर्य, डा.हिमाद्री, आकांक्षा मिश्रा, मिर्लानीनी सिंह, आदि उपस्थित रहे।

वहीं कनखल क्षेत्र में बाल श्रम सर्वेक्षण अभियान चलाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य होटल और दुकानों के व्यापारियों को बाल श्रम के बारे में जागरूक करना था। इस अभियान के दौरान प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई, लेकिन कोई भी बच्चा दुकानों पर या होटल पर काम करता हुआ नहीं मिला। इस अभियान में प्रवर्तन अधिकारी मीनाक्षी भट्ट, बाल कल्याण समिति सदस्य सोमा देवी और मंजू अग्रवाल, बाल संरक्षण अधिकारी मेघा पुरोहित, शिक्षा विभाग के मनोज सहगल, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से रजनी वर्मा और पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे।

वार्ड 58 के पार्षद एडवोकेट सुमित त्यागी ने कहा

चुनाव में जनता से किए सभी वादे पूरे करेंगे

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। वार्ड 58 के पार्षद एडवोकेट सुमित त्यागी ने कहा कि चुनाव के दौरान उन्होंने जनता से जो वादे किए हैं। उन्हें पूरा किया जाएगा। वार्ड में सीवर लाईन का काम चल रहा है। उसे सुव्यवस्थित तरीके से कराया जाएगा।

वार्ड की सभी गलियों में सीवर लाईन बिछवायी जाएगी। इसके लिए उन्होंने प्रोजेक्ट के इंजीनियर्स को मौके पर बुलाकर राज विहार फेज-3, मोहन एन्कलेव, आनंद विहार और वार्ड में जिस क्षेत्र का सर्वे नहीं हुआ था, उस क्षेत्र और कालोनी का निरीक्षण अधिकारियों को कराया। अधिकारियों ने वादा किया है कि सब जगह एक साथ सीवर लाईन चालू होगी। सुमित त्यागी

ने कहा कि अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया गया है कि वार्ड का एक भी मकान सीवर सुविधा से वंचित रहा तो विभाग को विरोध का सामना करना पड़ेगा।

त्याग, तपस्या और सेवा की साक्षात प्रतिमूर्ति थे ब्रह्मलीन स्वामी श्यामसुंदरदास

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। श्री गरीबदासीय आश्रम के ब्रह्मलीन परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर डा.स्वामी श्यामसुंदरदास शास्त्री महाराज की 104वीं जयंती के अवसर पर संत महापुरूषों के सानिध्य में जगजीतपुर स्थित श्री गरीबदासी संस्कृत महाविद्यालय में समारोह पूर्वक विद्वत सम्मेलन का आयोजन किया गया।

समारोह में संत समाज और अतिथियों ने ब्रह्मलीन स्वामी श्यामसुंदरदास शास्त्री महाराज का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। डा.पदम प्रसाद सुवेदी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आश्रम के अध्यक्ष आचार्य स्वामी डा.हरिहरानंद ने कहा कि पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर डा.स्वामी श्यामसुंदर शास्त्री महाराज त्याग, तपस्या और सेवा की

साक्षात प्रतिमूर्ति थे। पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में प्राप्त शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए उनके द्वारा स्थापित आश्रम की सेवा परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं। मेयर किरण जैसल ने कहा कि ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी डा. श्यामसुंदरदास शास्त्री महाराज विद्वान और तपस्वी संत थे। मानव कल्याण में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। स्वामी रविदेव शास्त्री ने कहा कि पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी श्यामसुंदरदास शास्त्री आज भले ही स्थूल रूप से संसार में उपस्थित नहीं है। लेकिन उनकी शिक्षाएं, विचार और कृतित्व सदैव समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। सभी को उनके दिखाए मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प लेना चाहिए। महंत दिनेश दास, महंत सुतिक्ष्ण मुनि, महंत शिवम महाराज, महंत राम, महंत अनंतानंद, महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रेरणा गर्ग, प्रो.भोला झा, श्री गरीबदासीय आश्रम के प्रबंधक संजय वर्मा, लोकनाथ सुवेदी, डा.पदम प्रसाद सुवेदी, डा.विष्णु दत्त राकेश, हरिगोपाल शास्त्री, राकेश, डा.डंबर प्रसाद, मुकेश पाराशर, केशव बलियानी, दुर्गा प्रसाद आदि ने भी ब्रह्मलीन स्वामी डा.श्यामसुंदरदास शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में संतजन, संस्कृत महाविद्यालय के छात्र व श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

ममता बनर्जी ने माफी नहीं मांगी तो आंदोलन करेगा संत समाज

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से हिंदू समाज से माफी मांगने की मांग की है। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताकर ममता बनर्जी ने करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई है। जिसे कतई सहन नहीं किया जाएगा। सनातन धर्म का अपमान करने वाली ममता बनर्जी को अपने दिमाग का इलाज कराना चाहिए और हिंदु समाज से माफी मांगनी चाहिए। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि यदि ममता बनर्जी ने माफी नहीं मांगी तो संत समाज उनके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ सनातन धर्म का सबसे बड़ा पर्व है। जिसमें देश दुनिया से करोड़ों लोग शामिल होने के लिए पहुंचते हैं। प्रयागराज महाकुंभ में करोड़ो श्रद्धालु संगम में पवित्र स्नान कर चुके हैं। केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संतों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। महाकुंभ सफल समापन की और बढ़ रहा है। इससे बौखलाकर ममता बनर्जी व अन्य नेता लगातार अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। जिसे संत समाज कतई सहन नहीं करेगा। केंद्र सरकार को भी हिंदू विरोधी बयानबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई-टेण्डर निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. / Date	314-DRM-MB-24-25 dt. 20.02.2025
Name of Work	Provision of E.I.M.W.B in KGF yard for Hind Terminals Under ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date Time	17.03.2025
Advertised Value (Rs.)	52,51,572.87
Earnest Money (Rs.)	1,05,000.00
Tender Cost (Rs.)	00.00
Bidding Start Date	03.03.2025
Period of Completion	06 months

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 20.02.2025 573/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा शुक्रवार से होंगी शुरू

रुड़की। उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाएं शुक्रवार से शुरू हो रही हैं। इसके लिए शिक्षा विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा के लिए इंटरमीडिएट के 23,659 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। पहले दिन इंटरमीडिएट का पहला पेपर हिंदी का है। जिले में 15 फरवरी से सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई थीं। इस बार बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में 126 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के लिए 22,086 संस्थागत और 1573 छात्र-छात्राएं व्यक्तिगत हैं। हालांकि, जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 48,033 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाएं एवं प्रश्न-पत्र केंद्रों पर पहुंच चुके हैं। पेपर सुबह दस बजे शुरू होगा। परीक्षा केंद्र पर छात्रों को आधा घंटे पहले पहुंचाना होगा। छात्र प्रवेश-पत्र के अलावा कोई अन्य कागज साथ नहीं लाना है। मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार केके गुप्ता ने बताया कि परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

जनपदीय ब्राह्मण समाज ने महापौर और समाज के नवनिर्वाचित पार्षदों का किया स्वागत

समाज के साथ नगर का होगा समुचित विकास

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। राजकली धर्मशाला में जनपदीय ब्राह्मण समाज द्वारा नगर निगम चुनाव में निर्वाचित हुए ब्राह्मण समाज के पार्षदों एवं नगर निगम महापौर अनीता अग्रवाल का किया सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पंडित रामानंद शर्मा की एवं संचालन जनपदीय ब्राह्मण सभा के महामंत्री एडवोकेट संजय कुमार शर्मा ने किया।

जानकारी के अनुसार समारोह में जनपदीय ब्राह्मण सभा के संरक्षक पंडित सौरभ भूषण शर्मा एवं देवेंद्र शर्मा ने कहा कि हमारे समाज से नगर निगम चुनाव में जो पार्षद निर्वाचित होकर आए हैं उनका सम्मान समाज द्वारा किया जाना समाज के लिए अच्छा संकेत है नगर निगम की महापौर अनीता अग्रवाल का समाज द्वारा स्वागत करने पर संपूर्ण आयोजन समिति बधाई की पात्र है। इस अवसर पर नगर निगम की महापौर अनीता अग्रवाल ने कहा कि हमारा संपूर्ण ध्यान इस समय पथ प्रकाश व्यवस्था एवं नगर की सफाई को लेकर है जिसके लिए सभी अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा ललित मोहन अग्रवाल ने कहा कि हम सबको मिलकर नगर निगम एवं उनकी के विकास में अपना योगदान देना है। इस अवसर पर युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आदित्य शर्मा एवं महामंत्री रोहित शर्मा ने कहा कि अब वह समय आ गया है जब हमें अपनी रुड़की के लिए आगे जाकर विकास कार्य में ध्यान देना होगा।

इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रद्धा हिंदू एवं महामंत्री मधु शर्मा ने कहा कि यह हम सब महिलाओं के लिए गर्व का विषय है कि भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के लिए सोचा और आज उसी का परिणाम है कि रुड़की नगर निगम में महिला मेयर बन पाई। इस अवसर पर नवनीत शर्मा, देवकी जोशी, प्रीति भारद्वाज, नीतू शर्मा का समाज द्वारा पार्षद निर्वाचित होने पर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में संरक्षक सौरभ भूषण शर्मा,पंडित लालाराम शर्मा, पंडित ललित शर्मा, पंडित संजय कुमार एडवोकेट, पंडित देवेंद्र शर्मा, पंडित राजकुमार कौशिक पंडित, वीरेंद्र शर्मा, पंडित संजीव शर्मा, पंडित रामदेव शर्मा, पंडित मयंक शर्मा, पंडित हिमांशु शर्मा, पंडित अनुज शर्मा ,पंडित हर्ष शर्मा, पंडित रामानंद शर्मा, मधु शर्मा सुप्रिया शर्मा, पूर्व पार्षद दया शर्मा, पंडित आदित्य कौशिक, पंडित सचिन शास्त्री ,पंडित देवेंद्र शर्मा, पंडित वंश शर्मा पंडित हरीश शर्मा पंडित नवीन शर्मा, पंडित बबलू पुरी, पंडित अभिषेक शर्मा ,पंडित नीरज कपिल, साधना शर्मा ,पंडित ध्रुव कौशिक, सतीश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भारत का नवाचार की दुनिया में स्थान मजबूत करना जरूरी

रुड़की। मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज में आयोजित शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को योगाभ्यास से शुरुआत हुई। इसके बाद पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

गुरुवार को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पायल अग्रवाल के नेतृत्व में ग्राम शफीपुर में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत में छात्राओं ने योगाभ्यास किया। उसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना की थीम यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी एंड यूथ फॉर माय भारत पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र में आईआईटी रुड़की की आईपीआर चेयर की अधिकारियों द्वारा महिला उद्यमिता एवं नवाचार पर एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए भारत का नवाचार की दुनिया में अपना स्थान मजबूत करना बहुत आवश्यक है।

1800 किलोमीटर का सफर तय कर रुड़की पहुंची यात्रा

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। उत्तराखंड के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में 12 दिनों तक चले "गढ़वाल हिमालयन कार अभियान" का रुड़की में भव्य फ्लैग-इन समारोह आयोजित किया गया। "सूर्य वॉरियर्स" की इस रोमांचक और साहसिक यात्रा को लेफ्टिनेंट जनरल ए सेनगुप्ता,पीवीएसएम, यूवाईएसएम,एवीएसएम, वाईएसएम,जीओसी-इन-सी, मध्य कमांन ने दस फरवरी को बरेली से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। टीम ने 1,800 किलोमीटर की कठिन यात्रा के दौरान हर्षिल, माणा, नीति और रिमखिम जैसे 18000 फिट पर स्थित दुर्गम क्षेत्रों को पार किया।

इस अभियान का उद्देश्य न केवल कठिन हिमालयी मार्गों को पार करना था, बल्कि इससे जुड़े विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यों को भी अंजाम देना था। टीम ने इस यात्रा के दौरान पूर्व सैनिकों (वैड) से संपर्क कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान की। इसके अलावा, स्थानीय ग्रामीणों से भी गहरी बातचीत की गई और उनकी आवश्यकताओं को समझते हुए विभिन्न कल्याणकारी पहल की गई। इस अभियान का एक अन्य प्रमुख आकर्षण चिकित्सा शिविरों का आयोजन था, जहां दूरस्थ गांवों में रहने वाले लोगों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गईं।इसके अलावा, "वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम" के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को जागरूक किया गया और उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और विकास परियोजनाओं की जानकारी दी गई। अभियान दल ने विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित किया और उन्हें शिक्षा एवं स्वरोजगार के अवसरों के बारे में अवगत कराया। गढ़वाल हिमालयन कार अभियान केवल एक रोमांचक यात्रा नहीं थी, बल्कि यह सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रति भारतीय सेना और नागरिकों की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह यात्रा उत्तराखंड के दुर्गम क्षेत्रों में बसे गांवों तक पहुंचने और स्थानीय लोगों से गहरे संबंध स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास थी। अभियान का समापन रुड़की में एक भव्य फ्लैग-इन समारोह के साथ हुआ, जहां इस साहसिक मिशन में भाग लेने वाले सेना और सिविलियन को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेना के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। "सूर्य वॉरियर्स" ने इस अभियान के माध्यम से यह साबित किया कि साहस, संकल्प और सेवा की भावना से हर चुनौती को पार किया जा सकता है। यह अभियान न केवल सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए फायदेमंद रहा, बल्कि युवाओं को देशसेवा और सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करने का भी एक आदर्श उदाहरण बना। इस ऐतिहासिक यात्रा का समापन भले ही रुड़की में हुआ हो, लेकिन इसका प्रभाव उन हजारों लोगों के जीवन में हमेशा बना रहेगा, जिन तक इस अभियान ने अपनी सेवाएं पहुंचाई हैं। मुख्य अतिथि कर्नल अक्षय रहे एवं यात्रा दल में संदीप दहिया, विशाल अरोड़ा, अजविंदर सिंह, रमिंदर सिंह, अक्षप्रीत सूरज, आदित्य कुमार मौजूद रहे।

पार्षद की माता के निधन पर अवकाश न होने पर की आलोचना

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। पार्षद की माता के निधन पर नगर निगम कार्यालय में आधे दिन का अवकाश घोषित नहीं किए जाने पर पार्षदों ने आचोलना की है। उन्होंने अधिकारियों पर पार्षद परिवार के साथ सौतेला व्यवहार किए जाने का आरोप भी लगाया है। बुधवार को वार्ड नंबर 10 के पार्षद प्रमोद पाल की माता का निधन हो गया था। अन्य पार्षदों ने उनकी माता के निधन पर शोक व्यक्त किया। साथ ही मामले की जानकारी नगर आयुक्त व अन्य अधिकारियों को भी दे दी गई। पार्षदों का आरोप है कि जानकारी मिलने के बाद भी अधिकारियों ने नगर निगम में अवकाश घोषित नहीं किया है। पार्षदों में नितिन त्यागी, चारू चंद, सुबान शर्मा, पंकज सतीजा, विभा सैनी, देवकी जोशी, सीमा देवी वर्मा, सतवीर आदि का कहना था मानवता के देखते हुए अधिकारियों कम से कम आधे दिन का अवकाश घोषित कर देना चाहिए था। अवकाश घोषित नहीं किए जाने से ये पार्षद परिवार के साथ सौतेला व्यवहार है। उन्होंने कहा कि पार्षदों के साथ किए गए इस व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वहीं विकासखंड परिसर में गुरुवार को समाज कल्याण विभाग की ओर से दिव्यांग शिविर में दिव्यांग पात्रों के पहचान पत्र बनाए गए। शिविर में 10 दिव्यांग प्रमाणपत्र और 18 मेडिकल प्रमाणपत्र बनाए गए। शिविर का शुभारंभ आर्थोपेडिक डॉ. सतीश कुमार और खंड विकास अधिकारी आलोक गार्गे ने किया। डॉ. सतीश ने कहा कि ऐसे शिविरों से क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिलता है। इसमें वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, किसान पेंशन से संबंधित लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान किया गया।

पुलिस ने चोरी की भैंस के साथ एक आरोपी किया गिरफ्तार

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। सुल्तानपुर पुलिस ने मंगलवार रात को एक चोर को भैंस और छोटे हाथी के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि उसके दो साथी भागने में कामयाब रहे। सुल्तानपुर चौकी क्षेत्र के जसोदरपुर गांव निवासी अतीक ने मंगलवार को चौकी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक दिन पहले रात को उसके घर से कुछ लोग उसकी भैंस चोरी कर ले गए। तहरीर मिलते ही पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इस दौरान पुलिस को तीन लोगों द्वारा एक छोटा हाथी से भैंस चोरी कर ले जाने की जानकारी मिली। इसके चलते पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया और मंगलवार रात को ही एक व्यक्ति को फूलगढ़ गांव से एक छोटा हाथी में भैंस ले जाते हुए पकड़ लिया। जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर चकमा देकर भाग गए। चौकी प्रभारी लोकपाल सिंह परमार ने बताया कि धनपुरा निवासी समीर को चोरी की गई भैंस और छोटे हाथी के साथ गिरफ्तार किया गया है। जबकि उसके दो साथी चाणचक निवासी फरमान और जावेद भागने में कामयाब रहे। उनकी तलाश की जा रही है।

खनन से भरी ट्रैक्टर ट्राली सीज किया-प्रशासन की टीम ने मंगलवार देर रात खनन से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली को सीज किया। कार्रवाई के दौरान खनन माफियाओं में हड़कंप मचा रहा। अवैध खनन की शिकायत के बाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के आदेश अनुसार मंगलवार रात करीब एक बजे प्रशासन की टीम घोसीपुरा क्षेत्र में पहुंची। जहां टीम ने अवैध खनन सामग्री से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ लिया। चालक द्वारा संतोष जनक जवाब नहीं देने पर पकड़ी गई ट्रैक्टर ट्राली को लंढोरा पुलिस चौकी के सुपुर्द कर दिया गया। टीम में शामिल नायब तहसीलदार धनीराम सैनी और कानूनगो आदेश कुमार ने बताया कि शिकायत के बाद क्षेत्र में छापेमारी की गई। जिसमें खनन सामग्री से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा गया। जिसे लंढोरा पुलिस चौकी के सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि खनन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

किशोरी के अपहरणकर्ता को किया गिरफ्तार

कई दिनों तक किशोरी को लेकर गन्ने के खेत में छिपा था आरोपी

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। लक्सर में पन्द्रह साल की किशोरी के अपहरण का पुलिस ने खुलासा करते हुए अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद करने के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी किशोरी को लेकर जम्मू कश्मीर भागने की फिराक में था। आरोपी युवक नाबालिक के साथ कई दिनों तक गन्नो के खेतों मे छिपा रहा। दोनों अलग अलग समुदाय से थे इसलिए उपद्रव का खतरा बना हुआ था। पुलिस ने किशोरी की तलाश के लिए डॉग स्क्वॉड की खेत मदद से खंगाले थे इसके साथ ही भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ड्रोन कैमरे से भी नजर रखी जा रही थी।

जानकारी के अनुसार बीती आठ फरवरी को बाडीटीप लक्सर निवासी व्यक्ति द्वारा गांव के ही रहने वाले दूसरे समुदाय के युवक पर अपनी 15 वर्षीय नाबालिक बेटी को भगा ले जाने की शिकायत पुलिस को दी थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा टीमों का गठन कर नाबालिक को जल्द सकुशल बरामद करने के निर्देश देते हुए सीआईयू रुड़की व हरिद्वार को टैक्निकल सपोर्ट उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी। पीड़ित और आरोपी के अलग-अलग समुदाय से संबंध रखने के कारण कुछ तनाव का माहौल था और नौ फरवरी को दोनों पक्षों के बीच हुई झड़प एवं पत्थरबाजी भी हुई। अपहरण की घटना को लेकर आमजनों के बीच काफी रोष था। स्थानीय लोग किशोरी की सकुशल बरामदगी के साथ ही आरोपी पक्ष के खिलाफ जल्द से जल्द कड़ी कार्यवाही करने की मांग कर रहे थेपुलिस ने आरोपी युवक के छिपने वाले सम्भावित स्थानो पर तलाश के लिए दबिशे दी गयी। आरोपी के गन्ने के खेतो में व आस-पास क्षेत्रो में छिपे होने की सम्भावना पर गन्ने के खेतों में डॉग स्क्वॉड के साथ तलाशी अभियान चलाते हुए भारी पुलिस बल द्वारा कॉम्बिंग की गई। ड्रोन कैमरे की मदद से भी संभावित क्षेत्रों की निगरानी की गई।पुलिस द्वारा युद्ध स्तर पर चलाए गए अभियान से परेशान होकर आरोपी गन्ने के खेतो से अपहर्ता को लेकर अन्य स्थानो पर भागने को मजबूर हुआ। पुलिस टीम ने 19 फरवरी की रात आरोपी वाजिद को उस समय बढकला फ्लाई ओवर के पास से सहारनपुर मार्ग से दबोचने में कामयाबी हासिल की जब वह अपहृता संग जम्मू कश्मीर भागने की फिराक में था। टीम ने आरोपी के चुंगल से अपहृता को भी सकुशल बरामद किया गया। पुलिस टीम में क्षेत्राधिकारी लक्सर नताशा सिंह,प्रभारी निरीक्षक लक्सर राजीव रौथाण,एसएसआई मनोज गैरोला, नरेन्द्र सिंह, लोकपाल परमार, नवीन सिंह चौहान डिम्पल जोशी,हैड कांस्टेबल विनोद कुमार,रियाज अली पंचम प्रकाश,अमित रावत,संजय पंवार विरेन्द्र कुमार,सचिन तोमर, ध्वजवीर सिंह और रीतू शर्मा शामिल रही।

समिति चुनाव में मनमानी करने का लगाया आरोप

एमडी व कर्मचारियों के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। मुंडाखेडा स्थित बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति में अध्यक्ष पद के लिए चल रही चुनाव प्रक्रिया में कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। लोगों ने मनमानी करने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को सहकारी समिति में पहुंचकर समिति के एमडी और कर्मचारियों के खिलाफ जमकर हंगामा किया। लोगों ने आरोप लगाया कि समिति कर्मचारियों ने कुछ लोगों को मृतक दिखाकर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए हैं। गुरुवार को महेंद्र, महिपाल, बाबूराम, संदीप, बीबन, मोहित, रामगोपाल, अवनीश, डॉ. नारायण, सुभाष, बिजेंदर, विपिन, विजय सिंह, अशोक, राजेश, कपिल, डॉक्टर संजय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मुंडा खेड़ा सहकारी समिति में पहुंचे। उन्होंने सहकारी समिति के एमडी और कर्मचारियों पर मनमाने ढंग से उनके नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाया। कहा कि एमडी की मिलीभगत से कुछ लोगों के नाम की एक दिन पहले ही रसीद काटकर उनके नाम मतदाता सूची में डाल दिए और पुरानी लिस्ट को ही समिति के बाहर चस्पा कर दिया है। इसके चलते ग्रामीण उस सूची पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं करा पाये।

लापता युवक की हत्या, जंगल में मिला शव

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। कल से लापता युवक का शव जंगल से बरामद हुआ। कुछ युवकों के द्वारा सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की हत्या की आशंका जताई गई है। मृतक हत्या के आरोप में जेल गया था और कुछ दिनों पहले से बेल पर वापस आया था।

जानकारी के अनुसार मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के झबीरन निवासी 26 वर्षीय अंकित कुमार पुत्र सैंसरपाल बुधवार शाम अपने घर से निकला था जब देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने फोन किया लेकिन उसका फोन बंद आया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शाम से ही पुलिस और परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। आज सुबह गांव के ही जंगल में दौड़ लगाने गए युवकों ने लापता युवक का शव खेतों में पड़ा देखा। उनके द्वारा सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा वहीं पुलिस के अधिकारियों ने भी मौके का मुआयना किया। बताया गया है कि मरने वाला युवक जून 2024 में एक हत्या के आरोप में जेल गया था और नवंबर में जमानत के बाद घर आया था। वहीं मृतक के पिता ने पुलिस को अज्ञात हत्यारों के खिलाफ तहरीर दी है। इस संबंध में एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल का कहना है कि मामले में हर स्तर पर जांच की जा रही है तहरीर के आधार पर मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कारवाई अमल में लाई जाएगी।

पिट्ठू बैग से 3.31 लाख का गांजा बरामद, युवक गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। एसएसपी देवेंद्र पिंचा के सख्त निर्देशों के तहत जिले में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत भतरौजखान पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान एक युवक के पिट्ठू बैग से 13.240 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 3.31 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। मिली जानकारी के अनुसार भतरौजखान थानाध्यक्ष सुशील कुमार व एसओजी प्रभारी भुवन जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चौड़ी घट्टी क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक युवक पिट्ठू बैग लेकर संदिग्ध रूप से घूमता नजर आया। पुलिस ने जब उससे बैग के बारे में पूछताछ की, तो उसने उसमें निजी सामान और कपड़े होने की बात कही, लेकिन जांच करने पर बैग से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इबरान (23) पुत्र हमीद, निवासी कचनाल गाजी, कुमाऊं कॉलोनी, काशीपुर, जिला उधम सिंह नगर के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह यह गांजा सराईखेत से रामनगर ले जा रहा था। इस कार्रवाई में थाना भतरौजखान से अपर उपनिरीक्षक करतार सिंह, हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार, सुदर्शन नयाल तथा एसओजी अल्मोड़ा से अवधेश कुमार और परवेज अली शामिल रहे।

वहीं बेरीनाग में मजदूरों का सत्यापन न करने पर पुलिस ने एक ठेकेदार का चालान काटा। गुरुवार को थानाध्यक्ष महेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान मजदूर बगैर सत्यापन के मिले। पुलिस ने ठेकेदार दीवान सिंह और मनमोहन सिंह के खिलाफ पुलिस अधिनियम के तहत दस-दस हजार रुपये के चालान किया है।

बजेटी में लापता युवक के न मिलने से परिजन परेशान

पिथौरागढ़। नगर के बजेटी क्षेत्र से एक युवक के लापता होने से परिजन परेशान हैं।

गुरुवार को स्थानीय राजेंद्र कुमार ने बताया कि उनके छोटे भाई सूरज कुमार (29) पांच दिन पूर्व घर से निकला था, जो अब तक वापस नहीं लौटा है। बताया कि काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं कोई सुराग नहीं लग रहा। उन्होंने इस संबंध में पुलिस में भी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजेंद्र ने आमजन से सूरज के दिखाई देने पर मोबाइल नंबर 8273980156 पर सूचना देने की अपील की है।

स्वतंत्रता सेनानी राम सिंह धौनी की 132वीं जयंती 24 फरवरी को

अल्मोड़ा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और श्जय हिंदश का नारा देने वाले क्रांतिदूत स्वर्गीय राम सिंह धौनी की 132वीं जयंती आगामी 24 फरवरी को जिला पंचायत परिसर, धारानौला में मनाई जाएगी। समारोह का आयोजन सुबह 11 बजे से होगा, जिसमें धौनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र रावत ने जानकारी दी कि इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। समिति के वरिष्ठ सदस्य बच्ची सिंह रावत, सालम मूल के नर्मदेश्वर वार्ड से निर्वाचित पार्षद आशा बिष्ट और खगमरा कोट से निर्वाचित पार्षद मधु बिष्ट को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय खेलों में बैडमिंटन प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता स्नेहा रजवार को भी सम्मानित किया जाएगा। रावत ने समारोह को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और कर्मचारी संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वर्गीय धौनी को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि समारोह में सूचना विभाग के तत्वावधान में नेहरू युवा क्लब, राजपुरा की टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

चिकित्सकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति हो

पिथौरागढ़। सीमांत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रिक्त चिकित्सकों के पदों को दवा प्रतिनिधि संगठन ने नियुक्ति की मांग की है। गुरुवार को संगठन के अध्यक्ष भुवन पांडे ने कहा कि जिले के सभी सीएचसी में चिकित्सकों के कई पद रिक्त हैं। इससे आजमन को खासी दिक्कत उठानी पड़ रही है। कहा कि चिकित्सकों के न होने से रोगियों को स्थानीय स्तर पर सुविधा नहीं मिलती और मजबूरन उन्हें जिला मुख्यालय की दौड़ लगानी पड़ रही है। इसके अलावा जिला अस्पताल से बेस अस्पताल में चिकित्सकों की ड्यूटी लगाए जाने पर भी पांडे ने नाराजगी जताई है। उन्होंने सरकार ने बेस अस्पताल के लिए अलग से स्टाफ तैनात करने की मांग की है।

22 को जिलाधिकारी सोमेश्वर क्षेत्र का करेंगे निरीक्षण

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। अपर जिलाधिकारी चन्द्र सिंह मर्तोलिया ने बताया कि जिलाधिकारी आलोक कुमार पाण्डेय आगामी 22 फरवरी को तहसील सोमेश्वर अन्तर्गत प्रातः 10:30 बजे से रनमन सी.एस.एफ कार्यालय में स्वयं सहायता समूह से संवाद/निरीक्षण, सामुदायिक केन्द्र सोमेश्वर का निरीक्षण, सोमेश्वर तहसील कार्यालय का निरीक्षण/स्थानीय जनता व प्रतिनिधियों के साथ बैठक, तहसील सोमेश्वर अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण/निरीक्षण, सोमेश्वर में एन.एल.आर.एम बाल विकास द्वारा संचालित कार्यों का निरीक्षण, छानी ल्वेशाल में महिला समूहों के साथ बैठक/मनरेगा योजनाओं का निरीक्षण के साथ ही सोमेश्वर कौसानी क्षेत्र में पर्यटन के दृष्टिगत विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने उप जिलाधिकारी, सदर अल्मोड़ा- सोमेश्वर /खण्ड विकास अधिकारी ताकुला को निर्देश दिये है कि वे अपने स्तर से सम्बन्धित क्षेत्रीय अधिकारियों को जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहने हेतु निर्देशित करने के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जनता को भी सूचित करना सुनिश्चित करेंगे।

वामपंथी संगठनों ने केंद्र सरकार के बजट के खिलाफ राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी, अल्मोड़ा ने राष्ट्रीय अभियान के तहत केंद्र सरकार के जनविरोधी बजट 2025-26 के खिलाफ और वामपंथी पार्टियों के वैकल्पिक बजट प्रस्ताव के समर्थन में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि यह बजट आम जनता की तात्कालिक और बुनियादी जरूरतों की अनदेखी करता है। बढ़ती बेरोजगारी और घटती मजदूरी के कारण जनता की क्रय शक्ति कमजोर हुई है, जिससे अर्थव्यवस्था में भारी सुस्ती है। आरोप लगाया कि यह बजट सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण को बढ़ावा देता है और बिजली क्षेत्र को निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया तेज करता है। ज्ञापन में केंद्र सरकार से मांग की गई कि देश के अरबपतियों पर संपत्ति कर लगाया जाए, कृषि उत्पादों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाए और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की प्रक्रिया रोकी जाए। साथ ही, मनरेगा के बजट में 50% वृद्धि, शहरी रोजगार गारंटी कानून, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बजट आवंटन बढ़ाने की भी मांग की गई। इसके अलावा, ज्ञापन में खाद्य सब्सिडी बढ़ाने, अनुसूचित जाति-जनजाति और महिलाओं-बच्चों के विकास के लिए बजट बढ़ाने और राज्यों को अधिक वित्तीय अधिकार देने की मांग की गई। वामपंथी संगठनों ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि इन प्रस्तावों को वित्त विधेयक में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश दें, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालों में जनवादी महिला समिति, भारत की जनवादी नौजवान सभा, किसान सभा और सीटू के कार्यकर्ता शामिल रहे।

डीडीहाट में पालिका के टैक्स प्रणाली में होगा बदलाव

पिथौरागढ़। नगरपालिका की टैक्स प्रणाली में बदलाव होगा। गुरुवार को नवनिर्वाचित नगर पालिका की पहली बोर्ड बैठक में टैक्स बदलाव को लेकर प्रस्ताव पारित हुआ है। पालिकाध्यक्ष ने ईओ को नए बाएलाज के निर्माण के निर्देश दिए हैं। नगरपालिका सभागार में पालिकाध्यक्ष गिरीश चुफाल की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में शहर की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। सभासदों ने अपने-अपने वार्डो की समस्याओं को सदन में प्रमुखता से रखा। पालिकाध्यक्ष चुफाल ने कहा कि नगर को सुसज्जित व सुंदर बनाने के लिए पालिका गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने पालिका कर्मचारियों को स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान करने को कहा।

वनाग्नि रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों की ली जाएगी मदद

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। उत्तराखंड शासन द्वारा वनाग्नि रोकथाम और नियंत्रण को लेकर विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष आलोक कुमार पांडे ने बताया कि वनाग्नि की घटनाओं को रोकने और प्रभावी नियंत्रण के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पैरामिलिट्री फोर्स और आपदा क्यूआरटी सहित अन्य संबंधित विभागों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वनाग्नि को आपदा घोषित किया गया है, जिसके तहत जिलाधिकारी ने भी आवश्यक आदेश जारी किए हैं। इस योजना के तहत विभिन्न सुरक्षा बलों को जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि जंगलों में आग लगने की घटनाओं को समय रहते नियंत्रित किया जा सके। जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि गर्मी के मौसम में जनपद के किसी भी हिस्से में आग लगने की सूचना मिलने पर तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वनाग्नि नियंत्रण के लिए सभी संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाए और हरसंभव प्रयास किए जाएं, जिससे जंगलों को आग से बचाया जा सके।

माँ अम्बे संस्थान का वार्षिकोत्सव संपन्न, नर्सिंग के छात्रों को दिलाई शपथ

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। नगर के लोअर माल रोड स्थित माँ अम्बे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में गुरुवार को लिटिल मिलेनियम प्री-स्कूल का उद्घाटन और नर्सिंग छात्रों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इसके साथ ही फ्रेशर पार्टी अभ्युदय 2025 का आयोजन नगर के एक होटल के सभगार में हुआ। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग और विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा देवेन्द्र पींचा, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एच. सी. गरकोटी, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश बहुगुणा, जिला प्रचारक आशुतोष, तथा इंस्टीट्यूट के चेयरमैन ठा. संदीप सिंह और वाइस चेयरमैन प्रीति पाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। शपथ ग्रहण समारोह में असिस्टेंट प्रोफेसर नेहा रौतेला और मनीषा ने बी.एस.सी. नर्सिंग, जी.एन.एम., तथा पोस्ट बी. एस.सी. नर्सिंग के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को नर्सिंग की शपथ दिलाई। उन्होंने नर्सिंग को मानव सेवा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. एच. सी. गड़कोटी ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को मेडिकल क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर कुमाऊँ मंडल के पहले लिटिल मिलेनियम प्री-स्कूल का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग और विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अश्वनी नेगी, कृष्णा नेगी, वरुण कपकोटी, नर्सिंग अधीक्षक रेशमा चौहान, डॉ. लक्ष्मण, प्रतीक, नर्सिंग ट्यूटर, शिक्षकगण, समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे।

सर्दी ने लिया यू-टर्न, औली समेत पहाड़ों में बर्फबारी

चमोली। गुरुवार की सुबह से एक बार फिर से पहाड़ों पर बर्फबारी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है।

उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में मूसलाधार बारिश से ठंड बढ़ गई है। खासतौर पर औली, बदरीनाथ, हेमकुंड और फूलों की घाटी में बर्फबारी का सिलसिला लगातार जारी है। औली के दस नम्बर टावर क्षेत्र में एक फीट तक बर्फ जम चुकी है, जबकि जीएमवीएन रिजॉर्ट के आसपास 4 इंच बर्फ जमी है। बदरीनाथ और हेमकुंड में भी एक फीट से अधिक बर्फ गिर चुकी है।

28 महिलाओं को जूस बनाने के उपकरण बांटे

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति (राड्स) की पहल पर चंबा ब्लॉक के रानीचौरी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 28 महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए जूस बनाने के उपकरण वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की सचिव कुंभीबाला भट्ट ने किया। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वरोजगार से ही महिलाओं का सशक्तीकरण संभव है। उन्होंने कहा महिलाओं को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। संस्था के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने कहा महिला सशक्तीकरण के बिना समाज का संपूर्ण विकास संभव नहीं है। स्वरोजगार के अवसर बढ़ाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना आज की जरूरत है।खाद्य प्रसंस्करण एक ऐसा क्षेत्र है,जिसमें महिलाएं कम लागत में अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकती हैं। इस मौके पर हेमलता,शीतल बहुगुणा, रंजना, पुष्पा तडियाल,संगीता,सरोजनी डिमरी,मीना पुंडीर आदि मौजूद रही।

जागरूकता कार्यक्रम में दी जानकारी-राइंका खोलाचौरी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पोक्सो अधिनियम एवं बाल अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रों को इन विषयों की समझ प्रदान करने के साथ ही उन्हें उनकी समस्याओं से अवगत कराया गया। इसके साथ ही उनके निराकरण के उपाय भी सुझाए गए। कार्यक्रम में सुपरवाइजर काजल रावत ने 1098 कार्यक्रम पर एक प्रेरणादायक कविता प्रस्तुत की, जिससे बच्चों को इस सेवा के महत्व की गहरी समझ मिली। इसके अलावा संरक्षण अधिकारी प्रज्ञा नैथानी ने प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। इस मौके पर केस वर्कर अमित रावत, प्रधानाचार्य सुरेश कुमार आर्य आदि शामिल रहे।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगा जान दी

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। बड़ी बगुलिया में गुरुवार सुबह एक युवक ने अज्ञात कारणों से आम के पेड़ में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। वह होटल में काम करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। गुरुवार सुबह बड़ी बगुलिया निवासी 27 वर्षीय अक्षय गोलदार पुत्र श्रीकांत ने घर के पास ही खेत में आम के पेड़ में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। बड़े भाई संजय ने बताया कि अक्षय उसके साथ सोया हुआ था। सुबह करीब साढ़े चार बजे वह उठकर बाहर चला गया। जब परिजन सुबह होने पर बाहर आए तो आम के पेड़ पर अक्षय को लटका देख उनके होश उड़ गए। परिजनों ने घटना की सूचना झनकईया थाना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। भाई संजय ने बताया कि अक्षय एक होटल में काम करता था, जो डेढ़ माह पूर्व छुट्टी पर आया था। वह अविवाहित था। वह चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। एक बहन है। एक भाई का पूर्व में निधन हो चुका है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं सम्पादक **एम हसीन** द्वारा परम नागरिक प्रकाशन, 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) के लिए ए के प्रिंटर्स खान मार्केट शहाबुद्दीनपुर रोड लद्धावाला, मुजरफ्फरनगर से मुद्रित एवं 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सम्पर्क : 9997178556 ई-मेल : paramnagrik2013@gmail.com, hasin.m1@gmail.com
सभी वादों का न्याय क्षेत्र रुड़की ही मान्य होगा। प्रकाशित समाचार सामग्री का प्रेस से कोई सम्बंध नहीं है।

डीएम तिवारी ने स्प्रिंग एवं रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा) की बैठक ली

संवाद सहयोगी

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को स्प्रिंग एवं रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा)की बैठक ली। जिसमें प्राकृतिक जल स्रोत नौले-धारे और नदियों के जल संरक्षण एवं संवध ्न को लेकर किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में समिति की ओर से 09 योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को स्प्रिंग एवं रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा)की बैठक ली। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वन, सिंचाई और पेयजल विभाग मिलकर जनपद में जल संवर्धन के लिए चिन्हित जल स्रोतों के पूरे क्षेत्र का तकनीकी सर्वेक्षण करते हुए ठोस योजनाओं के प्रस्ताव तैयार करें। जल संस्थान, जल निगम गोपेश्वर को 3 दिन में प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन योजनाओं में कार्य प्रारम्भ हो चुके हैं अगली बैठक में फोटोग्राफ्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता और सारा के नोडल अधिकारी अरविंद सिंह नेगी ने बताया कि जिला सारा समिति को आवंटित 2 करोड़ की धनराशि में से सहायक नदियों और गदेरों के रिज्यूविनेशन के लिए 91.33 लाख की योजनाओं को धनराशि आवंटित की जा चुकी है। बताया कि 1 करोड़ से उपर की 2 बडी परियोजनाएं केदारनाथ वन प्रभाग के अन्दर सूगी गदेरा व मोथूगाड के लिए डीपीआर गठन की प्रक्रिया गतिमान है। बताया कि जो भी योजनाएं यहां पर स्वीकृत की जाती हैं उन्हें एक निर्धारित प्रारूप पर शासन को भेजा जाएगा। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नन्दन कुमार सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मृतक आश्रितों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

नई टिहरी। सेवाकाल में मृत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को वीरवार को एसएसपी आयुष अग्रवाल ने नियुक्ति पत्र प्रदान कर उन्हें पुलिस सेवा को ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से करने का आह्वान किया। प्रदेशभर में करीब 89 मृतक पुलिसकर्मियों के मृतक आश्रितों को आरक्षी के पद पर नियुक्ति दी गई है। जिसमें 20 अभ्यर्थी टिहरी जिले के भी शामिल हैं। पुलिस कार्यालय में एसएसपी अग्रवाल ने मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए जीवन की एक नई शुरुआत के लिए बधाई दी। उन्होंने मृत पुलिस कर्मियों के विभाग के प्रति योगदान को याद करते हुए कहा कि पुलिस फोर्स नौकरी नहीं बल्कि सेवा और जिम्मेदारी है।

बचपन से ही बच्चों में वैज्ञानिक सोच जाग्रत करने की जरूरत

पिथौरागढ़। चौड़मन्या राजकीय जूनियर हाईस्कूल में बाल लेखन कार्यशाला जारी है। गुरुवार को दूसरे दिन कार्यशाला को संबोधित करते हुए दीपक पंत ने कहा कि विज्ञान के युग में भी हमारे समाज में कई अंधविश्वास व कुरीतियां व्याप्त हैं। कहा कि बचपन से ही बच्चों में वैज्ञानिक सोच जाग्रत करने की जरूरत है। बाद में बच्चों के बीच हुई शब्द लेखन, पहाड़ा लिखो, स्मृति चित्रण आदि प्रतियोगिताएं कराई गई। विजेता माया, तमन्ना, दिव्या मेहरा, दिया भंडारी, दिव्या महरा को पुरस्कार में बालसाहित्य दिया गया। यहां निर्मला आर्या, विशाल आर्या, आयुष टम्टा, निर्मला, उदय किरौला, ओम प्रकाश कोहली, दीप पंत, प्रकाश पंत आदि मौजूद रहे।

डीएम तिवारी ने पीएमजीएसवाई के सभी डिवीजनों के कार्यों की विस्तार से प्रगति समीक्षा की

संवाद सहयोगी

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को पीएमजीएसवाई के अन्तर्गत स्वीकृत कार्यों के सापेक्ष प्रगति, प्रतिकर भुगतान की स्थिति सहित अन्य लंबित प्रकरणों पर समीक्षा की । इस दौरान जिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई के सभी डिवीजनों के कार्यों की विस्तार से प्रगति समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई के सभी डिवीजनों के स्वीकृत कार्यो को मार्च तक पूर्ण करने तथा समय से प्रतिकर का भुगतान करने के निर्देश दिए। जो सड़क निर्माणाधीन है और यातायात के सुचारू नहीं है उन पर चेतावनी वाले साइनबोर्ड लगाने और पीएमजीएसवाई को बीस सूत्रीय कार्यक्रम में प्रगति लाने के निर्देश दिए। सभी सहायक अभियन्ता एवं अधिशासी अभियन्ताओ को निर्माण कार्यो की नियमित मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि जनपद में सभी डिवीजनों के अन्तर्गत 278 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 240 पूर्ण हो गये हैं। जिसमें पीएमजीएसवाई के 188 में 171, एनपीसीसी के 25 में 18, पीएमजीएसवाई गैरसैंण ब्रिडकुल के 9 में से 8 तथा ब्रिज एण्ड रूफ के 56 में 43 कार्य पूर्ण हो गए हैं। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नन्दन कुमार, पीएमजीएसवाई अधिशासी अभियन्ता सचिन कुमार, प्रमोद गंगाडी, संजय श्रीवास्तव सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं गूलरभोज। विद्या पब्लिक स्कूल गूलरभोज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ने शिविर लगाकर शिक्षकों और विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया। शिविर में विद्यालय प्रबंधक प्रेम सिंह मेहरा व एएनके इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एनके मौर्य ने बताया कि समय के साथ साइबर क्राइम करने के तरीके बदल रहे हैं। यदि कोई सरकारी विभाग का कर्मचारी बताकर जानकारी मांगे तो न दें।

यूनिफाईड पेंशन योजना का शिक्षक-कर्मचारी करेंगे विरोध

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन की जिला कार्यकारिणी ने केंद्र सरकार की ओर से आगामी 1 अप्रैल से प्रस्तावित यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) योजना का शिक्षक कर्मचारियों ने विरोध करने का फैसला लिया है। प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देशों पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेस को जारी एक बयान में संगठन के जिलाध्यक्ष एसएस राणा ने कहा कि राष्ट्रीय पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु की ओर से एनपीएस और यूपीएस दोनों पेंशन योजनाओं में व्याप्त खामियों को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा व आंदोलन का रूप दिया गया है। देशभर के सभी कर्मचारी शिक्षक एवं अधिकारी पुरानी पेंशन की एक सत्रीय मांग को बहाल करने की मांग करते आ रहे है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से लागू एनपीएस और 1 अप्रैल से लागू होने वाली पेंशन योजना यूपीएस सहित दोनों अंशदायी और शेयर बाजार पर आधारित है। जिससे कार्मिकों के पेंशन और भुगतान में भारी खामियां हैं। इसे देशभर का कार्मिक किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कार्मिकों की ओर आगामी मार्च माह से पुरानी पेंशन बहाली और एनपीएस/यूपीएस के विरोध में राष्ट्रीय व प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देशों पर आंदोलन तेज किया जाएगा। संगठन के जिला महामंत्री राजविलोचन राणा और मंडलीय महामंत्री दीपक भट्ट ने कहा कि पुराने पेंशन बहाली के लिए जिला व प्रदेश स्तर पर अभियान चलाते हुए बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सड़कों की स्थिति का पार्षद ज्योति साह ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण-

पांडेखोला की पार्षद ज्योति साह क्षेत्र की सड़कों की दुर्दशा को लेकर स्वयं सड़क पर उतरीं और नेशनल हाईवे के अपर सहायक अभियंता पंकज कुमार के साथ क्षेत्र की सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने पांडेखोला, धार की तूनी और लक्ष्मेश्वर में गिरी हुई दीवारों, टूटे पैराफिट, बंद कलमठ और जर्जर सड़कों की स्थिति से अभियंता को अवगत कराया।

पार्षद ने कहा कि खराब सड़कों और जलभराव से स्थानीय जनता और दुकानदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने क्षतिग्रस्त स्थानों को चिन्हित करवाया। अपर सहायक अभियंता ने आश्वासन दिया कि टूटी दीवारों, नालियों और कलवर्टों का कार्य डेढ़ माह में शुरू कर दिया जाएगा, जबकि सड़क की मरम्मत एक हफ्ते के भीतर आरंभ होगी। पार्षद ज्योति साह ने कहा कि जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। यहाँ निरीक्षण के दौरान पार्षद अमित साह मोनू, अभिषेक जोशी, अतुल पांडे और भगवान सिंह मौजूद रहे।

रुद्रप्रयाग में 68 परीक्षा केंद्रों पर देंगे 7083 छात्र परीक्षा

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। जनपद में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं आज से शुरू होंगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने सभी तैयारी पूरी कर ली है। जनपद में 68 परीक्षा केंद्रों पर 7083 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगी। परीक्षा में नकल रोकने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा कड़े इंतजाम किए गए हैं। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, रामनगर (नैनीताल) द्वारा आयोजित हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं आज से शुरू हो रही है। मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र बिष्ट ने बताया कि जनपद में कुल 68 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 4 संवेदनशील और 64 सामान्य केंद्र शामिल हैं। आज से शुरू हो रही परीक्षा 11 मार्च तक चलेगी। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक ही पाली में परीक्षाएं आयोजित होंगी। कुल 7083 परीक्षार्थियों में हाईस्कूल के 3486 और इंटरमीडिएट में 3597 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं को निष्पक्ष, नकलविहीन और सकुशल संपंन कराने के लिए जनपद एवं विकासखंड स्तर पर सचल दल गठित किए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, कस्टोडियन और पर्यवेक्षक नियुक्त कर दि गए हैं। उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन के लिए दो केंद्र राजकीय इंटर कॉलेज रतूड़ा और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अगस्त्यमुनि बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां से सभी केंद्रों की निगरानी की जाएगी।

वहीं अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 को लेकर राज्य स्तर पर आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में युवा सहकारी नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज से अगस्त्यमुनि में शुरू होगा। राजकीय महाविद्यालय अगस्त्यमुनि सभागार में 10 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। जिला सहायक निबंधक सहकारिता मोनिका चुनेरा ने इसकी जानकारी दी।

45 लावारिस मवेशियों में बांधी रेडियम बेल्ट

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। जनपद में निराश्रित घूम रहे गोवंश की सुरक्षा के लिए गो रक्षा विभाग अभियान चला रहा है। गो रक्षा विभाग ने केदारनाथ हाईवे पर अनेक स्थानों पर घूम रहे 45 गोवंश के गले में रेडियम बेल्ट बांधी है ताकि अंधेरे में वे वाहनों की चपेट में न आएं। विभिन्न स्थानों पर गो रक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की जा रही है। गो रक्षा विभाग के जिलाध्यक्ष रोहित डिमरी ने कहा कि केदारनाथ हाईवे के जगह-जगह निराश्रित गोवंश घूम रहे हैं। इनके रात के समय सड़कों में रहने से बड़े वाहन इन्हें कुचलकर निकल जाते हैं, जिससे ये घायल हो जाते हैं। जबकि अब तक कई निराश्रित गोवंश की मौत भी हो चुकी है। आए दिन हो रही घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन और नगर पालिका से निराश्रित गोवंश के गले में रेडियम बेल्ट बांधने की मांग की गई, जिस पर नगर पालिका की ओर से गो रक्षा विभाग को रेडियम बेल्ट उपलब्ध कराई गई। मौके पर गो रक्षा विभाग के जिला उपाध्यक्ष दीपक नौटियाल, सदस्य कमल भट्ट, गावस्कर रावत, डिग्गू सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

वहीं दूसरी ओर प्रतापनगर ब्लॉक के बौंसाडी में ग्रामीणों में गुलदार की दहशत बनी हुई है। वन विभाग की पांच सदस्य टीम ने गांव में गश्त कर ग्रामीणों को जागरूक किया। उधर, बुधवार को गुलदार के हमले में घायल हुई मीना देवी को हालात में अब सुधार होने लगा है। लंबगांव थाने से लगे नजदीक जंगल में चारापत्ती लेने गई बौंसाड़ी गांव की मीना देवी पर गुलदार ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल महिला को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया था। जहां अब महिला की हालात में सुधार हो रहा है। लेकिन गांव में गुलदार की दहशत बनी हुई है। वन दरोगा रविंद्र प्रसाद चमोली के नेतृत्व में देर शाम से ही घटनास्थल के आसपास क्षेत्र में रात्रि गश्त करना शुरू कर दिया है।

अधिवक्ता संशोधन विधेयक के खिलाफ जिला बार एसोसिएशन की हड़ताल

रुद्रपुर। जिला बार एसोसिएशन ने गुरुवार को अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के खिलाफ जिला न्यायालय परिसर में हड़ताल की। इसके बाद जिलाधिकारी के जरिए केंद्रीय कानून मंत्री को ज्ञापन भेजा। अधिवक्ताओं ने विधेयक को वापस लेने की मांग की है। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिवाकर पांडे, सचिव सर्वेश कुमार सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता वरिंद्र चौधरी, नरेश छाबड़ा, गुरबाज सिंह, नरेश रस्तोगी, शिवकुंवर सिंह, सुरवीर सिंह, डीएन जायसवाल, सुशीला मेहता,अखलाक अहमद, उमेश नाथ पांडे, अमनदीप कौर, सुधीर सिंह आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ धाम में गिरी 2 फीट नई बर्फ

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम सहित हिमालय के ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी हो रही है। जबकि निचले स्थानों पर रिमझिम बारिश हुई है। सुबह से ही मौसम खराब होने से ठिठुरन बढ़ गई है जिससे लोग ठंडे इलाकों में अलाव का सहारा ले रहे हैं। बीती रात से जनपद में मौसम बदल गया। मुख्यालय सहित जनपद के सभी कस्बों में गुरुवार को आसमान में बादल छाए रहे। जबकि कुछ ही देर बाद रिमझिम बारिश होने लगी। केदारनाथ में बीती रात से बर्फबारी हो रही है। गुरुवार को भी केदारनाथ धाम, तुंगनाथ, चन्द्रशिला सहित अनेक ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी हो रही है। केदारनाथ में 2 फीट से अधिक नई बर्फ गिर गई है। फरवरी माह में हो रही बर्फबारी से एक बार फिर से केदारपुरी ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है। वहीं केदारनाथ में मंदिर सुरक्षा पर आईटीबीपी के जवान तैनात है जो बर्फबारी के बीच भी मंदिर में पहरा दे रहे हैं। केदारनाथ धाम के साथ ही लिंचौली और रामबाड़ा तक बर्फबारी हो रही है। बर्फबारी के चलते केदारनाथ में मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। इधर, मुख्यालय सहित तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि, जखोली, ऊखीमठ, गुप्तकाशी, फाटा, रामपुर, गौरीकुंड आदि स्थानों पर बारिश हो रही है।

श्रमिकों के लिए चलेगा हक की बात अभियान

संवाद सहयोगी

पौड़ी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी द्वारा 26 फरवरी तक हितधारकों के सहयोग से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए हक की बात अभियान चलाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अकरम अली ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर संबंधित हितधारकों के सहयोग से असंगठित क्षेत्र के श्रमिको के लिये हक की बात अभियान चलाया जाएगा। जिसमें नालसा (असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कानूनी सेवाएं) योजना, 2015 के आलोक में कानूनी जागरूकता और चिकित्सा शिविरों का आयोजन करते हुए मुफ्त कानूनी सहायता, लोक अदालत के लाभ डिजिटल गिरफ्तारी, साईबर अपराध, सरकार की कल्याणकारी योजनाएं व नालसा के टोल फ्री नंबर सहित अन्य के बारे में जागरूक किया जाएगा। साथ ही नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से भी जागरूक किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के अफसरों को इस अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए है।

वहीं उत्तराखंड ग्रामीण बैंक बूंगीधार शाखा ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत शाकंबरी देवी को 2 लाख की राशि का भुगतान किया है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने अटल पेंशन योजना के तहत शाकंबरी देवी को 15,500 रुपये की धनराशि भी दी। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के प्रबंधक प्रवीण कुमार गोयल ने बताया कि कुछ समय पहले गंगा दत्त का आकस्मिक निधन हो गया था जो बैंक के ग्राहक थे। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के तहत उनकी पत्नी शाकंबरी देवी को सहायता राशि प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि यह कदम उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की ओर से ग्राहकों को सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ प्रदान करने के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस मौके पर शाखा प्रबंधक विवेक जोशी, विपिन कुमार, रवि खत्री, मान सिंह आदि शामिल रहे।

पूर्व टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष नेगी को दी श्रद्धांजलि

संवाद सहयोगी

चमोली। रामगंगा टैक्सी यूनियन के पूर्व दान सिंह नेगी का गुरूवार को उनके पैत्रिक घाट मालकोट में रामगंगा नदी के किनारे अंतिम संस्कार कर दिया गया। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में टैक्सी संचालक, ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि ने उन्हें श्रद्धांजली दी। 56 वर्षीय दान सिंह नेगी कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। बुधवार देर शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। पूर्व सैनिक नेगी लगातार दो बार रामगंगा टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष और कई बार राइंका लाटूगैर के पीटीए अध्यक्ष पद पर भी रहे। गुरुवार को शोक में रामगंगा टैक्सी यूनियन से संबद्ध टैक्सी और मैक्सी के पहिए जाम रहे। अंतिम संस्कार के दौरान नपं गैरसैंण अध्यक्ष मोहन भंडारी, टैक्सी यूनियन अध्यक्ष मनमोहन परसारा, निवर्तमान जिपंस बलवीर रावत, अवतार पुण्डीर, व्यापार संघ अध्यक्ष बलदेव नेगी, पूर्व अध्यक्ष मंगल रावत, पूर्व दर्जाधारी सुरेश कुमार, पूर्व टैक्सी यूनियन अध्यक्ष शेर सिंह कठैत, पूर्व जिपंस पूर्व जगमोहन, पूर्व उपप्रमुख एएस नेगी, निर्वतमान प्रधान बलवीर मेहरा, पूर्व प्रधान शयन सिंह नेगी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वहीं राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढाडूखाल में कक्षा 10 के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां भी दीं।

सम्पादकीय

परम नागरिक

शुक्रवार, 21 फरवरी, 2025

स्टेशन भगदड़ प्रशासनिक-व्यवस्थागत असफलता

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़ स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी। रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़ बढने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदों और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढ़ती भीड़ के कारण भगदड़ हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रद्द करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़ को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं। इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उन्नीसवीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़ में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं। निःसंदेह इतनी भारी भीड़ को संभालने में मुट्ठी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़ के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा डालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़ को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पंक्ति में लाना होगा। अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुडकी देने की रवायत के बाद हाथ झाड़ कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

लोगों की उम्मीदों का केन्द्र बने रहते हैं राहुल

शकील अख्तर

राजनीति में संघर्ष करना पड़ता है। स्टालिन को कितना इंतजार करना पड़ा। जयललिता के रहते हुए उनके संघर्ष लगातार चलते रहे। सत्तर के होने से दो तीन साल पहले ही वे मुख्यमंत्री बन पाए। और अब विपक्ष की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण स्थान है। और तमिलनाडु के वे एकमात्र बड़े नेता हैं। पक्ष विपक्ष दोनों जगह।

शोले फिल्म का डायलाग राजनीति में बिल्कुल सही साबित हो रहा है। जो डर गया समझो वह मर गया! वहां भी मरने से मतलब मरना नहीं था। यहां भी नहीं है। कोई हैसियत न रह जाना। निपट जाना। या जैसे गांव कस्बों में कहा जाता है धरती पर बोझ समान! राहुल गांधी ने दिल्ली चुनाव में अरविन्द केजरीवाल पर जो सबसे बड़ा हमला किया था वह यही था कि विपक्ष के नेताओं में नरेंद्र मोदी से जो सबसे ज्यादा डरते है वह अरविंद केजरीवाल हैं।

राहुल खुद किसी से नहीं डरते। और इसलिए उनके इस विषय में कहने का असर होता है। राहुल का जो केन्द्रीय गुण या ताकत मानी जा सकती है वह उनका किसी भी परिस्थिति में नहीं डरना ही है। और इसलिए उनके खिलाफ इतना माहौल बनाया गया, इतने मुकदमे लादे गए, लोकसभा की सदस्यता छीनी गई, मकान लिया गया, एसपीजी हटाई गई, सडक पर पुलिस से धक्का दिलवाकर गिरवा दिया गया।

क्या नहीं हुआ? मजाक उड़ाने के लिए पप्पू, बाबा नाम प्रचारित किए गए। खुद राहुल ने कहा कि उनकी छवि खराब करने के लिए हजारों करोड़ों रुपए खर्च किए गए। मगर चूंकि राहुल डरे नहीं, प्रधानमंत्री मोदी के सामने हमेशा डट कर खड़े दिखे तो आज हर जगह एक ही बात कही जाती है कि मोदी का अगर कोई मुकाबला कर सकता है तो वह राहुल गांधी ही हैं। और यह बात खुद मोदी जी भी जानते हैं इसलिए वे हर जगह हर विषय पर राहुल और उनके परिवार पर आरोप लगाते रहते हैं। वह तो डायरेक्ट उन्हें महाकुंभ में लगे महा जाम का बचाव नहीं करना है नहीं तो वे इसके लिए भी नेहरू को दोषी करार देते।

अभी भगगड़ में हुई मौतों के बाद वे नेहरू के समय कुंभ में हुई भगदड़ की कहानी बता चुके हैं। अदालतों में तो यह नहीं चलता मगर जनता को बेवकूफ बनाने के लिए प्रतिक्रियावादी नेता हमेशा यह तर्क देते हैं कि क्या पहले नहीं हुआ था? मतलब अगर पहले हुआ था तो हमारे समय होना जायज है।

नरेंद्र मोदी के इन्हीं बिलो द बेल्ट (नियमों सिद्धांतों के खिलाफ) हमलों और विन्डिक्टिव (नफरत बदले के भावना से) राजनीति के कारण सिर्फ नेता ही नहीं संवैधानिक संस्थाएं तक डर गई हैं। राहुल ने कहा था इसीलिए कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और संघ से नहीं है। हमें इंडियन स्टेट से भी लडना पड़ रहा है। राहुल की यह बात अब मोदी बार बार दोहराते हैं कि राहुल भारत से लडने की बात कर रहे हैं।

दरअसल राहुल ने कहा था कि सभी संवैधानिक संस्थाओं पर मोदी ने कब्जा कर लिया है। हमें उनसे भी लडना पड़ रहा है। इन्डियन स्टेट मतलब सरकार और उसकी ऐजेन्सियां। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स वगैरह। और संस्थाओं न्यायपालिका, चुनाव आयोग, मीडिया, संसद में पीठासीन अधिकारियों के पक्षपात पूर्ण रवैये से।

निश्चित ही रूप से यह लड़ाई बहुत कठिन है। और इसे लडना बहुत साहस का काम। राहुल ने यहां तक कहा कि जब तक मैं जिन्दा हूं किसी भी हिन्दुस्तानी पर आक्रमण होगा चाहे वह किसी भी धर्म का हो हिन्दु हो मुसलमान हो सिख हो ईसाई हो किसी भी जात का हो दलित हो पिछड़ा हो राहुल वहां उसकी रक्षा करता मिलेगा। और राहुल ने यह भी कहा कि यह आज की बात नहीं मेरी पूरी लाइफ की राजनीति देख लेना।

बिल्कुल सही। राहुल की पूरी राजनीति ऐसी ही है। बेखौफ। इसलिए जब वे अपने किसी समकालीन नेता के लिए कहते हैं कि वह डरता हो तो असर होता है। केजरीवाल, मोदी के डर से ही दलितों की बात नहीं कर पाए, पिछड़ों की नहीं कर पाए।

राहुल की मांग आरक्षण के पचास प्रतिशत के केप को हटाने की बात तो बहुत बड़ी है कभी आरक्षण के समर्थन में नहीं बोला। जाति गणना के पक्ष में नहीं बोले। जहां उनके मुस्लिम प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे वहां उनका प्रचार करने नहीं गए। वे केवल भाजपा की कार्बन कॉपी बने रहे। और जनता ने कार्बन कॉपी को ठुकरा दिया। मूल कॉपी के साथ चली गई।

डर खत्म करना बहुत जरूरी है। राजनीति में जनता खुद नेताओं से अभय दान चाहती है। अपने डर को दूर करने के लिए ही तो वह समूह में आती है। और फिर उसका नेतृत्व चाहती है। अगर नेता खुद ही डर जाएगा तो जनता उसके पीछे क्यों लगेगी? मायावती को जनता ने बिल्कुल छोड़ दिया। दिल्ली चुनाव में उसके 50 से ज्यादा उम्मीदवार हजार से भी कम वोट ला पाए। कभी कहा जाता था कि बसपा का टिकट किसी को भी मिले दस बीस हजार से तो उसकी गिनती शुरू होती है। लेकिन दिल्ली क्या खुद मायावती के राज्य उत्तर प्रदेश में लोकसभा में उनकी एक सीट नहीं। 2022 विधानसभा में 403 सीट में से उनकी केवल एक सीट आई थी। वह भी मायावती की वजह से नहीं जीतने वाले उमाशंकर सिंह का अपना असर था। मायावती सबसे ज्यादा डर में हैं। परिणाम कांशीराम की वह पार्टी भुगत रही है जिसमें कभी नारा लगता था चढ़ गुंडन की छाती पर मोहर लगाना हाथी पर! बीच बाजार में बसपा का दलित चौड़ी छाती करके यह नारा लगाता था। मगर आज गोपनीय मतदान में भी वोट नहीं डाल रहा। दिल्ली में कुछ सीटों पर तो सौ के करीब वोट आए हैं।

दूसरी तरफ यूपी के एक दूसरे नेता को देखें! अखिलेश यादव डर से निकल गए। आज चाहे यूपी की योगी सरकार या केन्द्र की मोदी सरकार अखिलेश सबसे कड़े हमले कर रहे हैं। और इसी निर्भयता का परिणाम है कि चाहे 2024 की लोकसभा हो या 2022 की विधानसभा जनता उनके साथ खड़ी हुई। लोकसभा में 37 सीटें यूपी में नंबर वन और विधानसभा 111 सीटें दीं।

अखिलेश के बारे में भी यह प्रचार किया गया कि उन्होंने समझौता कर लिया। डर गए। खासतौर से तब जब मुलायम सिंह यादव को पद्म विभुषण दिया गया। लेकिन अखिलेश इस बात को समझ गए कि मोदी के साथ जाकर उन्हें एक सुरक्षा के अहसास के अलावा और कुछ नहीं मिलेगा। और जाने में सपा की सारी राजनीति खतम हो जाएगी। उन्होंने सपा की राजनीति बचा ली। और खुद का कद आज इतना बड़ा कर लिया कि जब वे लोकसभा में बोलते हैं तो पक्ष विपक्ष सब उन्हें ध्यानपूर्वक सुनते हैं।

राजनीति में निर्भयता में ही वह चीज है जिसने लालू यादव को इतने मुकदमे जेल के बाद आज भी प्रासंगिक बनाए रखा। इसी साल बिहार में चुनाव हैं। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी उनकी पार्टी राजद की और तेजस्वी की है।

राजनीति में संघर्ष करना पड़ता है। स्टालिन को कितना इंतजार करना पड़ा। जयललिता के रहते हुए उनके संघर्ष लगातार चलते रहे। सत्तर के होने से दो तीन साल पहले ही वे मुख्यमंत्री बन पाए। और अब विपक्ष की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण स्थान है। और तमिलनाडु के वे एकमात्र बड़े नेता हैं। पक्ष विपक्ष दोनों जगह। डरो मत! राहुल का यह मंत्र ही मोदी युग में खुद को बचाए रखने का सबसे बड़ा हथियार है। जनता के मन का डर ऐसे ही दूर होगा। जब नेता निर्भय हों।

अगर नेता खुद डरे हुए होंगे तो जनता और ज्यादा होगी। इसलिए राहुल का ग्राफ कभी गिरता नहीं। वे लोगों की उम्मीदों का केन्द्र बने रहते हैं।

ग्लोबल वार्मिंग की अब खेत-खलिहानों में दस्तक

अजय कुमार

दुनिया के बड़े राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने के लिये प्रतिबद्ध नजर नहीं आ रहे हैं। पूरी दुनिया में बड़े राष्ट्र विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी से दोहन करने में लगे हैं। वे इस बात को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं कि आज दुनिया में औद्योगिकीकरण से पहले के समय के मुकाबले विश्व का तापमान निर्धारित सीमा को पार कर चुका है।

स्पष्ट दिखने लगा है कि ग्लोबल वॉर्मिंग ने हमारे खेत-खलिहानों में दस्तक दे दी है। जिस गति से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वह आम आदमी के लिये तो कष्टकारी है ही, किसान के लिये ती यह संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका सीधा असर खेतों की उत्पादकता पर पड़ रहा है। जिसके मुकाबले के लिये सुनियोजित तैयारी की जरूरत है। किसानों को उन वैकल्पिक फसलों के बारे में सोचना होगा, जो कम पानी व अधिक ताप के बावजूद बेहतर उत्पादन दे सकें। अन्न उत्पादकों को धरती के तापमान से उत्पन्न खतरों के प्रति सचेत करने की जरूरत है, यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो मान लीजिए कि हम आसन्न संकट की अनदेखी कर रहे हैं।

यह मसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मुद्दा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य शृंखला से भी जुड़ा है। इसमें कोई शक नहीं कि गाहे-बगाहे इस संकट की जद में देश का हर नागरिक आएगा। दरअसल, दुनिया के तापमान पर निगाह रखने वाली वैश्विक संस्था डब्ल्यूएमओ की एक रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही है जिसमें कहा गया है कि पिछले एक दशक में पृथ्वी का तापमान कमोबेश औसत तापमान से अधिक ही रहा है।

गम्भीर बात यह है कि इसके मौजूदा साल में और अधिक रहने की आशंका जतायी जा रही है। यह वैज्ञानिक सत्य है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि से पूरी दुनिया का मौसम चक्र गहरे तक प्रभावित होता है। देर-सबेर इससे मनुष्य जीवन का हर पहलू प्रभावित होगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते पूरी दुनिया में यह कह पाना कठिन है कि कहां अप्रत्याशित बारिश होगी और कहां कष्टकारी तापमान बढ़ेगा। इसके बावजूद विकसित देशों की सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत नजर नहीं आती। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि इस सदी के मध्य तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है। जो मानव जीवन चक्र व फसलों के लिये घातक साबित हो सकता है।

सब जानते है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने के लिये प्रतिबद्ध नजर नहीं आ रहे हैं। पूरी दुनिया में बड़े राष्ट्र विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी से दोहन करने में लगे हैं। वे इस बात को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं कि आज दुनिया में औद्योगिकीकरण से पहले के समय के मुकाबले विश्व का तापमान निर्धारित सीमा को पार कर चुका है। जो हमारे लिये एक खतरे की घंटी जैसा है। चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि हम मौसमी बदलाव के अनुकूल खुद को उसी अनुपात में तेजी से ढाल नहीं पा रहे हैं। दरअसल, हमें मौसम के व्यवहार में तेजी से हो रहे बदलाव के अनुरूप अपनी खेती के पैटर्न में भी बदलाव की जरूरत है। उन परंपरागत फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जो कम बारिश व अधिक तापमान में ठीक-ठाक उपज देने में सक्षम हैं। एक समय भारत में बड़े भू-भाग में हम मोटे अनाज का उत्पादन करते थे, जो कम बारिश में भी बेहतर फसल देता था। कालांतर हमने अधिक सिंचाई वाली फसलों का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करना तेजी से शुरू कर दिया। मौसम में बदलाव का असर खाद्यान्न ही नहीं, सब्जियों, फल-फूलों पर भी गहरे तक पड़ रहा है। ऐसे में सिर्फ कागजी कार्रवाई के बजाय धरातल पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को फसलों के नई किस्म के बीज तैयार करने होंगे, जो किसानों को संबल देने के साथ ही हमारी खाद्य सुरक्षा चेन को सुरक्षित बना सकें। साथ ही हमें कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी अंकुश लगाना होगा। हमें मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी नियंत्रण करना होगा क्योंकि भारत चीन के बाद मीथेन उत्सर्जन में दूसरे नंबर पर है। इसके साथ ही पशुधन का संरक्षण भी अनिवार्य होगा। यदि हम अभी भी नहीं जागे तो हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, चक्रवाती तूफान जैसी आपदाओं के लिये तैयार रहना होगा। भारत, जहां देश की आधी आबादी कृषि व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है, उसके लिये यह संकट बड़ा है। कुल मिला कर ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव जिस तरह से कृषि क्षेत्र पर पड़ रहा है वह चिंता जनक है। इस संबंध में जन जागरण और उपाय दोनों ही जरूरी हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : विकसित राष्ट्र निर्माण में साबित होगी गेम चेंजर

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर मानव बुद्धि का लोहा आज हर स्तरपर सशक्त और काबिले तारीफ माना जा रहा है, जिसने दशकों पूर्व किसी जमाने में पैदल चलने वाले, प्राकृतिक पत्तों और चीजों से तन ढकने वाले और जंगलों में जीवन यापन कर खाद्य जुटाने वाले मानव को न सिर्फ आज के डिजिटल युग में पहुंचा दिया है,बल्कि मानवता को आग की खोज से लेकर खेती,आसमान में उड़ने से लेकर सितारों के बीच चलायमान वह अंतरिक्ष के दक्षिणी ध्रुव में पहुंचने के काबिल तक बना दिया है और आगे चांद पर रहवासी,घर बनाकर मानव कालोनियां स्थापित करने की ओर कदम बढ़ा दिया है तथा पृथ्वी लोक पर सब कुछ आर्टिफिशियल बना के रख दिया है।वाह रे मानव बौद्धिक क्षमता का कमाल!,यह सब शिक्षा और ज्ञान की इच्छाशक्ति और जिद् ने पूर्ण किया है जिसके बारे में हम आज चर्चा करेंगे।शिक्षा और ज्ञान यही मानव बौद्धिक क्षमता का विकास करने की प्राथमिक सीढ़ी का प्रथम पहिया है और यहीं से मानव बौद्धिक संपदा की नींव पड़ती है जो आगे चलकर तेजी से विकास की सीढ़ी पर चढ़कर अपनी कामयाबी के मंजिलों तक पहुंचाती है। शिक्षा और ज्ञान को भारतीय संस्कृति, सभ्यता, में मां सरस्वती के अस्त्र के रूप में जाना जाता है। प्राय बच्चों को ध्यान होगा कि आज भी हर शुक्रवार को अधिकतम शिक्षण संस्थाओं में मां सरस्वती की वंदना, पूजा की जाती है। यह बात हम आज इसलिए कर रहे हैं,क्योंकि दिनांक 8 सितंबर 2024 को शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यूनेस्को के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2024 मनाया। इस वर्ष के आयोजन का विषय,विभिन्न भाषाओं के माध्यम से साक्षरता को बढ़ावा देना था,जिसमें भारत के विविध समुदायों में साक्षरता के स्तर में सुधार करने में भाषाई विविधता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। जिसमें माननीय उपराष्ट्रपति शिक्षा राज्य मंत्री सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया। चूंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विकसित राष्ट्र बनाने गेम चेंजर साबित होगी इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।शिक्षकों अभिभावकों व बुद्धिजीवियों ने हर व्यक्ति साक्षर अभियान के लिए प्रतिबद्धता और जुनून के साथ काम करने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 8 सितंबर 2024 को शिक्षामंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यूनेस्को के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2024 मनानें की करें तो,नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया, किसी व्यक्ति को शिक्षित करके आप जो खुशी औरआनंद प्रदान करते हैं, चाहे वह पुरुष हो, महिला हो, बच्चा हो या लड़की हो, वह असीम है। आप कल्पना भी नहीं करसकते कि इससे आपको कितनी खुशी मिलेगी। यह सकारात्मक तरीके से फैलेगा। यह मानव संसाधन विकास में आपकी ओर से की जा सकने वाली सबसे बड़ा सकारात्मक कार्य होगा। अपने संबोधन में उन्होंने सभी से साक्षरता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम मिशन मोड में जल्द से जल्द 100: साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता और जुनून के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि यह लक्ष्य हमारी सोच से भी पहले हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति एक व्यक्ति को साक्षर बनाए, यह विकसित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान होगा।उन्होंने आगे कहा,शिक्षा एक ऐसी चीज है, जिसे कोई चोर आपसे छीन नहीं सकता। कोई सरकार इसे आपसे छीन नहीं सकती। न तो रिश्तेदार और न ही दोस्त इसे आपसे छीन सकते हैं। इसमें कोई कमी नहीं आ सकती। यह तब तक बढ़ती रहेगी और बढ़ना जारी रखेगी जब तक आप इसे साझा करते रहेंगे।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि साक्षरता को जुनून के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो भारत नालंदा और तक्षशिला की तरह शिक्षा के केंद्र के रूप में अपना प्राचीन दर्जा पुन: प्राप्त कर सकता है। उन्होंने शिक्षा नीति (एनईपी) को अभी तक नहीं अपनाने वाले राज्यों से अपने रुख पर पुनर्विचार करने की अपील करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह नीति देश के लिए एक बड़ा बदलाव लानेवाली है। उन्होंने कहा,यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे युवाओं को उनकी प्रतिभा और ऊर्जा का पूरा उपयोग करने का अधिकार देती है,जिसमें सभी भाषाओं को उचित महत्व दिया गया है।मातृभाषा के विशेष महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि यह वह भाषा है, जिसमें हम सपने देखते हैं। उन्होने भारत की अद्वितीय भाषाई विविधता पर जोर देते हुए कहा, भारत जैसा दुनिया में कोई देश नहीं है। भाषा की समृद्धि के मामले में हम एक अनूठे राष्ट्र हैं, जिसमें कई भाषाएँ मौजूद हैं।राज्यसभा के सभापति के रूप में अपने अनुभवों के बारे में उन्होंने कहा कि सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने का अवसर दिया जाता है। उन्होंने कहा,जब मैं उन्हें उनकी भाषा में बोलते हुए सुनता हूँ, तो मैं अनुवाद सुनता हूँ, लेकिन उनकी शारीरिक भाषा ही मुझे बता देती है कि वे क्या कह रहे हैं।उन्होंने भारतीय संस्कृति में ऋषि परंपरा के गहन महत्व पर भी प्रकाश डाला और सभी से आग्रह किया कि वे छह महीने के भीतर कम से कम एक व्यक्ति को साक्षर बनाने का संकल्प लें, ताकि साल के अंत तक हम दो व्यक्तियों को शिक्षित करने का लक्ष्य प्राप्त कर सकें।पिछले दशक में भारत की परिवर्तनकारी प्रगति की सराहना करते हुए, उन्होने इस बात पर जोर दिया कि कैसे हर घर में बिजली पहुंचाने जैसी उपलब्धियां,जो कभी अकल्पनीय थीं, अब एक वास्तविकता हैं और भविष्य के लक्ष्य सौर ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भरता पर केंद्रित हैं। उन्होंने ग्रामीण विकास पर विचार किया,हर घर में शौचालय और व्यापक डिजिटल संपर्क सुविधा जैसे महत्वपूर्ण कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे दूरदराज के गांवों में 4 जी की पहुंच ने सेवा अदायगी में क्रांति ला दी है,जिससे दैनिक काम आसान हो गए हैं और आवश्यक सेवाओं के लिए लंबी कतारों की जरूरत खत्म हो गई है।

साथियों बात अगर हम 8सितंबर 2024 को उद्घाटन करते हुए शिक्षा राज्यमंत्री के संबोधन की करें तो उन्होने स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार,महिलाओं को सशक्त बनाने और सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने में साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवलविकास का लक्ष्य नहीं हैय यह एक वैश्विक अनिवार्यता है, जिसके भविष्य पर दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे।उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से उल्लास पहल को पूरी तरह अपनाने और 2030 तक पूर्ण साक्षरता हासिल करने की दिशा में अथक प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने याद दिलाया कि यह केवल सरकारी प्रयास नहीं है,यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने 100: साक्षरता सुनिश्चित करने मिशन मोड में अभियान चलाएं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020,विकसित राष्ट्र बनाने गेम चेंजर साबित होगी।शिक्षकों अभिभावकों व बुद्धिजीवियों ने हर व्यक्ति साक्षर अभियान के लिए प्रतिबद्धता और जुनून के साथ काम करने की जरूरत है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दुलहनिया बीड़ीवाली शो में नजर आएंगी पौलमी दास

'बिग बॉस ओटीटी 3' की पूर्व प्रतियोगी पौलमी दास 'दुलहनिया बीड़ीवाली' शो में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम चंपा है।

'दुलहनिया बीड़ीवाली' की कहानी निशा नामक एक नवविवाहिता की है, जो अपने पति रोहन के साथ अपने पैतृक गांव जाती है, जहां उसे चंपा (पौलमी) की किंवदंती से जुड़े एक अभिशाप का पता चलता है। गांव में रिवाज रहता है कि इस भय से बचने के लिए हर आदमी को दुल्हन की पोशाक पहननी पड़ेगी।

हालांकि, रोहन ऐसा करने से इंकार कर देता है। इसके बाद कहानी में से कई रहस्य सामने आने लगते हैं, जिसे लेकर गांव में भय व्याप्त हो जाता है। निशा का अतीत उसके सामने आकर खड़ा हो जाता है। इसके बाद वह रोहन की रक्षा करने और अभिशाप को तोड़ने के लिए लड़ाई लड़ती है।

'दुलहनिया बीड़ीवाली' में ड्रामा रहस्य, परंपरा और अलौकिक तत्वों का मिश्रण है। अभिनेत्री पिछली बार एएलटीटी के शो 'नागवधू- एक जहरीली कहानी' में नजर आई थीं। अभिनेत्री इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल में एक प्रतियोगी के तौर पर भाग ले चुकी हैं। साल 2016 में वह 'सुहानी सी एक लडकी' में भी काम कर चुकी हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम 'बेबी' रहता है।

अभिनेत्री को 'दिल ही तो है' में 'अनन्या पुरी' नामक किरदार के रूप में लिया गया था। साल 2020 में उन्हें 'कार्तिक पूर्णिमा' में 'पूर्णिमा' की मुख्य भूमिका में लिया गया। पौलमी 'पौरषपुर' और 'नागिन 6' टाइटल के वेब सीरीज में भी काम कर चुकी हैं।

पौलमी 'बिग बॉस ओटीटी' के तीसरे सीजन में भी भाग ली थीं, जिसे बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर ने होस्ट किया था। शो का ग्रैंड फिनाले अगस्त 2024 में हुआ, जिसमें सना मकबूल विजेता और नैजी शेख उपविजेता बनीं। तीसरे सीजन में पौलमी शो के 12वें दिन बाहर हो गई थीं।

इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहन प्रज्ञा जैसवाल ने दिखाई दिलकश अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने करियर की शुरुआत साउथ फिल्मों से की थी और आज वो किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने हिंदी फिल्मों में भी अपनी दमदार एक्टिंग से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने रेड कलर का इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढकर एक स्टनिंग पोज में फोटोशूट करवाती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, ग्लैम मेकअप, कानों में इयररिंग्स और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक का दीदार करने के लिए काफी बेताब रहते हैं।

गोरी है कलाईयां के साथ कनिका कपूर की धमाकेदार वापसी

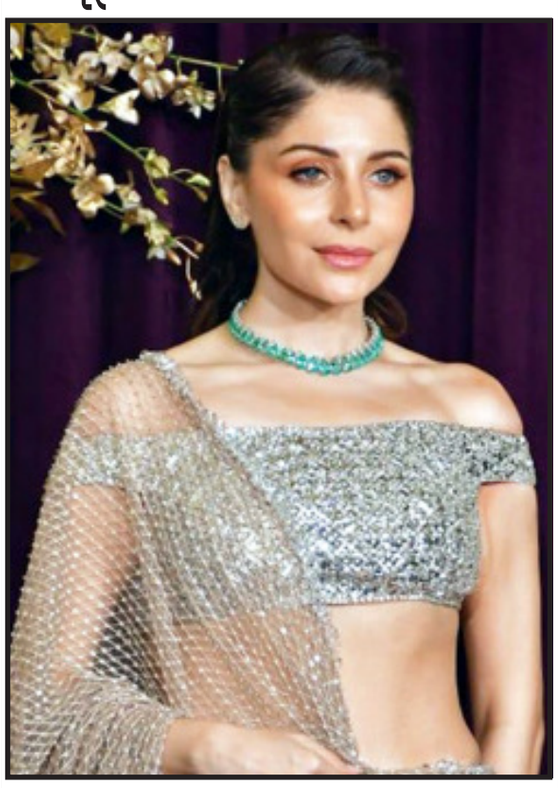

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर कनिका कपूर, जिन्होंने चिट्टियां कलाइयां' और बेबी डॉल' जैसे सुपरहिट गाने दिए हैं, एक बार फिर धमाकेदार वापसी कर रही हैं। उनका नया गाना गोरी है कलाईयां' फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी' का प्रमुख ट्रैक है। खास बात यह है कि इस गाने में कनिका के साथ रैपर बादशाह की भी शानदार परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी। वहीं, म्यूजिक वीडियो में भूमि पेडनेकर, रकुल प्रीत सिंह और अर्जुन कपूर नजर आएंगे, जो इस गाने को और भी ग्रैंड बना रहा है। कनिका कपूर की आवाज हमेशा से बॉलीवुड के चार्टबस्टर्स में शामिल रही है। इस बार भी गोरी है कलाईयां' अपनी एनर्जेटिक बीट्स और कनिका की जादुई आवाज के साथ दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर देगा। इस गाने के जरिए कनिका और बादशाह की केमिस्ट्री फिर से म्यूजिक इंडस्ट्री में धूम मचाने को तैयार है।

बॉलीवुड के अलावा, कनिका कपूर इंडिपेंडेंट म्यूजिक इंडस्ट्री में भी लगातार प्रयोग कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने मटक मटक' और फैंटेसी' जैसे गानों से अपनी अलग पहचान बनाई है, जहां उन्होंने भारतीय धुनों को अफ्रीकी बीट्स और मॉडर्न साउंड के साथ मिलाकर अनोखा फ्यूजन तैयार किया है। कनिका कपूर न सिर्फ रिकॉर्डिंग स्टूडियो में बल्कि लाइव इवेंट्स में भी अपना जलवा बिखेर रही हैं। हाल ही में उन्होंने ढ्ढढस्क्करु ओपनिंग सेरेमनी में धमाकेदार परफॉर्मेंस दी थी, जिसने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनका स्टाइल और म्यूजिक के प्रति उनका एक्सपेरिमेंटेशन उन्हें एक ट्रेंडसेटर बना रहा है। कनिका कपूर की गोरी है कलाईयां' के साथ वापसी ने उनके फैंस को खासा उत्साहित कर दिया है। सोशल मीडिया पर भी इस गाने को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है और दर्शक इसे 2025 का अगला चार्टबस्टर मान रहे हैं।

नागा चैतन्य-साई पल्लवी की फिल्म तंडेल की धूम

साउथ स्टार नागा चैतन्य की फिल्म 'तंडेल' ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है. इसकी कहानी ऑडियंस को भा गई है. लोग सिनेमाघरों में फिल्म का जमकर लुत्फ उठा रहे हैं. देश ही नहीं, बल्कि ओवरसीज मार्केट में भी 'तंडेल' का डंका बज रहा है और हर दिन धुआंधार कमाई हो रही है. सिर्फ पांच दिनों में ही फिल्म ने अपनी पूरी लागत वसूल कर ली है. वर्ल्डवाइड कलेक्शन जान नागा चैतन्य भी गदगद हो जाएंगे.

तेलुगु भाषा में बनी 'तंडेल' 7 फरवरी को रिलीज हुई है और इसने पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा बिजनेस शुरू कर दिया. इस बीच मेकर्स ने फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की जानकारी दी है. इसके मुताबिक, नागा चैतन्य की 'तंडेल' ने दुनियाभर में 80.12 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है. फिल्म ने यह कमाल सिर्फ 5 दिनों में कर दिखाया है.

नागा चैतन्य की फिल्म में साई पल्लवी ने भी काम किया है. कमाल की बात है कि सिर्फ 5 दिनों में ही फिल्म ने अपनी पूरी लागत वसूल कर ली है. रिपोर्ट के मुताबिक, 'तंडेल' 75 करोड़ रुपये की लागत में बनी है. इस तरह फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर पूरा बजट वसूल हो चुका है. अब फिल्म जो भी कमाई करेगी, वो सिर्फ मुनाफा होगा.

'तंडेल' फिल्म तेलुगु, तमिल और हिंदी भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने मंगलवार को देशभर में 3.6 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'तंडेल' पांच दिनों में देशभर में 44.45 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है.

बताते चलें कि नागा चैतन्य की तेलुगु फिल्म 'तंडेल' सच्ची घटनाओं से प्रेरित है. इसका डायरेक्शन चंदू मोंडेती ने किया है और अल्लू अरविंद प्रोड्यूसर हैं. इसमें आदुकलम नरेन, दिव्या पिल्लई, करुणाकरण और पृथ्वीराज जैसे सितारे अहम किरदारों में हैं. 'तंडेल' में एक मछुआरे की कहानी दिखाई गई है, जो गलती से पाकिस्तानी जलक्षेत्र में पहुंच जाता है और पकड़ा जाता है. इसके बाद कहानी में बड़ा मोड़ आता है.

पुनर्जन्म लेकर साम्राज्य के महानायक बने एक्टर

विजय देवराकोंडा की वीडी12 के टीजर-टाइटल से उठा पर्दा

साउथ एक्टर विजय देवराकोंडा की मोस्ट अवेटेड एक्शन-थ्रिलर वीडी12 का टीजर और टाइटल फाइनली रिलीज हो गया है, इसका टाइटल है किंगडम. किंगडम के हिंदी टीजर में बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने आवाज दी है वहीं तमिल वर्जन में सुपरस्टार सूर्या ने. इसके अलावा इसके तेलुगु वर्जन में जूनियर एनटीआर ने आवाज दी है. किंगडम के 1 मिनट 56 सेकंड के टीजर में विजय का पुनर्जन्म दिखाया गया है. जिसमें वे वापस आकर अपने साम्राज्य के महानायक बनते हैं.

किंगडम के टीजर की शुरुआत एक पावरफुल डायलॉग से शुरू होती है- कभी ना थमने वाला भीषण युद्ध, लहरों में बहता रक्त, थामों, ठहरों या थककर चूर हो जाओ, ये युद्ध ना रुका है और ना रुकने वाला है. विजुअल में आर्मी की गोलीबारी दिखती है जिसमें कई लोग मारे जाते हैं, कुछ भागते हुए दिखाई देते हैं, कई लाशें दिखती हैं. इसके बाद विजय की सिनेमैटिक एंट्री होती है जिसका पुनर्जन्म बताया जाता है. आखिर में विजय एक डायलॉग बोलते हैं- कुछ भी करुंगा, जरूरत पड़ी तो सबकुछ जलाकर रख दूंगा.

विजय ने टीजर रिलीज करते हुए लिखा, ये किंगडम है. सवाल, खून, गलतियां और किस्मत, टाइटल-टीजर आउट. गौतम तिन्नानुरी ने किंगडम को निर्देशित किया है और सितारा एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया है. फिल्म विजय देवराकोंडा लीड रोल में हैं उनके साथ भाग्यश्री बोरसे खास रोल में हैं वहीं सत्यदेव फिल्म में नेगेटिव रोल प्ले कर रहे हैं. किंगडम का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है.

विजय देवराकोंडा की किंगडम के टीजर को सोशल मीडिया पर बेहतरीन रिएक्शन मिल रहा है. फिल्म का टीजर हिंदी में रिलीज हो गया है और रणबीर कपूर की पावरफुल आवाज की भी लोग खूब तारीफ कर रहे हैं. यूजर्स को विजय का एक्शन अवतार और रणबीर की आवाज का अंदाज बहुत पसंद आ रहा है. इस फिल्म को तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा. थिएटर के बाद फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर भी स्ट्रीम होगी.

सिनेमाघरों में दोबारा दस्तक देगी अंदाज अपना अपना 28 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म अगथिया

अंदाज अपना अपना में रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया था।

राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म अंदाज अपना अपना को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। इस फिल्म में आमिर खान और सलमान खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

यह फिल्म 4 नवंबर, 1994 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 5.30 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।

अब लगभग 31 साल बाद आमिर-सलमान की यादगार फिल्म अंदाज अपना अपना को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

अंदाज अपना अपना इस साल अप्रैल में सिनेमाघरों में फिर से दस्तक देगी, वहीं फिल्म का नया टीजर जारी किया जाएगा।

निर्माताओं ने पोस्टर साझा कर खुद इसकी पुष्टि की है। हालांकि, फिल्म इसकी रि-रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

अंदाज अपना अपना एक कॉमेडी फिल्म है, जो अपने समय में बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी। हालांकि, जैसे-जैसे साल गुजरते गए, यह फिल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई। आमिर खान और सलमान खान की जोड़ी ने दर्शकों के दिलों में ऐसी जगह बनाई कि आज भी उनकी केमिस्ट्री को याद किया जाता है। फिल्म में रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर ने भी अहम किरदार निभाए थे। इस फिल्म के संवाद जैसे गलती से मिस्टेक हो गया और क्राइम मास्टर गोगो नाम है मेरा, आंखें निकाल के गोटियां खेलती हूं मैं आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं और ये पॉप कल्चर का हिस्सा बन चुके हैं।

अंदाज अपना अपना में रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया था। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

स्वास्थ्य का ख्याल रखें, खुश रहें।

में दस्तक देगी फिल्म अगथिया

जीवा, अर्जुन सरजा और राशि खन्ना अभिनीत दक्षिण भारतीय फिल्म अगथिया का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार फैंस काफी समय से कर रहे थे। ट्रेलर में कई सारे एक्शन और शानदार दृश्य भी शामिल हैं। ट्रेलर से फिल्म में कुछ छिपे रहस्यों का अंदाजा लग रहा है। फिल्म अगथिया के ट्रेलर में ही हॉरर कहानी की झलक दिखाई देती है। इसमें एक हवेली दिखाई गई है, जिसमें 120 साल पहले मरी हुई आत्माओं का वास है। फिल्म में पांडिचेरी की भी झलक देखने को मिलने वाली है। ट्रेलर में कई सारे विदेशी कलाकार भी नजर आने वाले हैं। फिल्म की कहानी एंजल और डेविल्स के बीच घूमती दिखती है। फिल्म निर्माता अनीश अर्जुन देव और डॉ इशारी के गणेश ने कहा, यह फिल्म एक फैंटसी, हॉरर और थ्रिलर फिल्म है जो दर्शकों के सामने एक रहस्य और रोमांच के जरिए मनोरंजन के नए दरवाजे खोलने जा रही है। हमारी फिल्म आम हॉरर फिल्मों से बहुत अलग होगी,जो दर्शकों को एंटरटेनमेंट का एकदम नया स्वाद परोसने को तैयार है। फिल्म दर्शकों के सामने हॉरर, फैंटेसी और थ्रिलर की नई परिभाषा पेश करने वाला सिनेमा प्रस्तुत करेगी।

प्रसिद्ध गीतकार से निर्देशक बने पा. विजय ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म अगथिया 28 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में फेंटसी, हॉरर और थ्रिलर जॉनर की मिली जुली कहानी देखने को मिलने वाली है। फिल्म तमिल और तेलुगु के साथ साथ हिन्दी में भी बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अभिनेता योगी बाबू, ऐक्टर ऐडवर्ड सोनेनब्लिक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यूसीसी में विभिन्न सेवाओं के लिए पंजीकरण शुल्क, विलंब शुल्क व अर्थदण्ड का प्रावधान

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने अवगत कराया है कि समान नागरिक संहिता नियमावली, 2025 में विवाह, तलाक, लिव-इन रिलेशनशिप और उत्तराधिकार से सम्बन्धित सेवाओं के लिए पंजीकरण शुल्क, विलंब शुल्क/शास्ति एवं अर्थदण्ड का प्रावधान किया गया है। विवाह हेतु-नियम 9 (11) (क) और 9 (11) (ख) के अंतर्गत विवाह पंजीकरण / पंजीकृत विवाह की पावती के लिए शुल्क रू0 250। विवाह पंजीकरण/पंजीकृत विवाह की पावती के लिए नियम 9 (11) (घ) के अंतर्गत शुल्क, (तत्काल) रू0 2500। नियम 9 (11) (ग) के अंतर्गत विलम्ब शुल्क पंजीकरण शुल्क के अतिरिक्त देय होगा तथा इसकी गणना 90 दिनों तक की देरी के लिए की जाएगी, 200, तथा 90 दिनों से अधिक की देरी के लिए। रू0 400/-(विलंब के प्रत्येक पूर्ण एवं आंशिक रूप से पूर्ण तिमाही के लिए) अधिकतम रु. 10,000/- तक। तलाक: नियम 10 (7) (क) के अंतर्गत तलाक या विवाह की अमान्यता के डिक्री के पंजीकरण के लिए शुल्क रू0 250/- नियम 10 (7) (ख) के अंतर्गत विलंब शुल्क पंजीकरण शुल्क के अतिरिक्त देय होगा और इसकी गणना 90 दिनों तक की देरी के लिए की जाएगी, शुल्क रू0 200/- और 90 दिनों से अधिक के लिएरू0 400/- तथा विलंब के प्रत्येक पूर्ण एवं आंशिक रूप से पूर्ण तिमाही के लिए) अधिकतम रु 10,000/- तक। उत्तराधिकार नियमु- 12 (7) के तहत बिना वसीयत के उत्तराधिकार के संबंध में कानूनी वारिस (यों) की घोषणा के लिए शुल्क। 250/- नियम 14 (2) (ग) के तहत वसीयतनामा उत्तराधिकार विवरण के पंजीकरण के लिए शुल्क रू0 250 सहवासी संबंधु-नियम 15(9) के अंतर्गत लिव-इन-रिलेशनशिप के पंजीकरण के लिए शुल्क रू0 500। नियम 6(4) (ङ) के अंतर्गत निर्धारित समय अवधि के पश्चात् सूचना अपडेट करने के लिए विलम्ब शुल्क 1000/- नियम 16 (5) के अंतर्गत लिव-इन रिलेशनशिप की समाप्ति के लिए शुल्क रू0 500/- दंडु-पंजीकृत विवाह के पंजीकरण या स्वीकृति में जानबूझकर चूक या लापरवाही के लिए नियम 7(1) (ङ) (प) और 7(1) (ङ) (पप) के अंतर्गत जुर्माना/दंड। पंजीकरण शुल्क और विलंब शुल्क के अलावा अधिकतम 10000/- तक तलाक या विवाह को निरस्त करने के आदेश के पंजीकरण के लिए ज्ञापन प्रस्तुत करने में जानबूझकर चूक या लापरवाही के लिए नियम 7 (2) (घ) (प) के अंतर्गत जुर्माना/दंड। पंजीकरण शुल्क और विलंब शुल्क के अलावा अधिकतम 10000/- तक दूसरी बार झूठी शिकायत करने, और, जुर्माना रू0 5000/- तीसरी बार झूठी शिकायत करने पर नियम 20 (2) के तहत जुर्माना रू0 10,000/- नियम 20 (8) (ग) के तहत किराया समझौता करने से पहले शिलव-इन-रिलेशनशिप के प्रमाण पत्र/अनंतिम प्रमाण पत्र के उल्लंघन के लिए मकान मालिक को जुर्माना। अधिकतम जुर्माना 20,000/- तक प्रमाणित प्रतियों हेतु शुल्कु-प्रमाणित उद्धरण (विवृत पहुंच) प्राप्त करने के लिए नियम 20 (6) (क) के तहत शुल्क रू0 100 प्रमाणित उद्धरण (प्रतिबंधित पहुंच) प्राप्त करने के लिए नियम 20 (6) (ख) के तहत शुल्क रू0 500 कानूनी उत्तराधिकारी की घोषणा की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने के लिए नियम 20 (7) के अंतर्गत शुल्क रू0 150/-वसीयतनामा दस्तावेज / बयान की घोषणा की प्रमाणित प्रति प्राप्त करने के लिए नियम 20 (7) के तहत शुल्क रू0 150 जिन व्यक्तियों का विवाह इस संहिता के लाग होने से पूर्व पंजीकृत हुआ हो या तलाक की डिक्री घोषित हुई हो या विवाह निरस्त हुआ हो, उनसे समान नागरिक संहिता नियमावली, उत्तराखण्ड, 2025 के लागू होने की तिथि से 06 माह तक उपरोक्त वर्णित पंजीकरण/ अभिस्वीकृति शुल्क नहीं लिया जायेगा

धनोल्टी में सीजन की तीसरी बर्फबारी से कारोबारियों के चेहरे खिले

संवाद सहयोगी

देहरादून। पर्यटक स्थल धनोल्टी में इस सीजन तीसरी बार बर्फबारी हुई है। इससे स्थानीय कारोबारियों को एक बार फिर व्यापार बढ़ने की उम्मीद भी बढ़ गई है। यहां गुरुवार सुबह करीब दस बजे हल्की बर्फबारी हुई। इसकी सूचना मिलते ही पर्यटकों ने भी धनोल्टी का रुख किया। बर्फबारी की वजह से न सिर्फ कारोबारी बल्कि काश्तकारों को भी उम्मीद बंधी है। उनका कहना है कि पूरे सीजन बारिश नहीं हुई है। अब बर्फबारी से खेती को फायदा होगा। यहां तापमान में गिरावट की वजह से कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है और जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। यहां के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि रात तक और बर्फबारी होगी, ऐसे में होटल की बुकिंग में भी इजाफा होगा। धनोल्टी स्थित होटल सिटी पैलेस के मैनेजर जगदीश सेमवाल ने बताया कि यहां पर सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे तक रुक-रुककर बर्फबारी होती रही। उन्होंने बताया कि इस सीजन यहां तीसरी बार बर्फ पड़ रही है। वहीं, मसूरी में सुबह से ही मौसम बदला रहा। आसमान में गहरे काले बादल छाए रहे। साथ ही दिनभर हल्की बूंदाबांदी होती रही। हालांकि यहां बर्फ नहीं गिरी है। लेकिन लगातार सर्द हवाएं चल रही हैं। इस दौरान माल रोड पर भी सन्नाटा पसरा नजर आया। शाम को भी बारिश रुकने के बाद माल रोड पर पर्यटकों की थोड़ा बहुत चहलकदमी नजर आई।

मारन के बयान का किया विरोध

देहरादून। उत्तराखंड विद्वत सभा ने द्रमुक पार्टी सांसद दयानिधि मारन द्वारा संसद में संस्कृति और संस्कृत पर की गई कथित विवादित टिप्पणी की घोर निंदा की है। गीता भवन में हुई सभा की बैठक में दयानिधि मारन को सार्वजनिक रुप से माफी मांगने का प्रस्ताव पास किया गया। सभाध्यक्ष आचार्य विजेन्द्र प्रसाद ममगाईं ने कहा कि दयानिधि का बयान घोर आपत्तिजनक है। मौके पर आचार्य सत्य प्रसाद सेमवाल, महासचिव आचार्य दिनेश भट्ट, प्रवक्ता आचार्य मुकेश पंत, सांस्कृतिक सचिव आचार्य सुभाष चमोली, सह सचिव आचार्य मुरली मनोहर सेमवाल, आचार्य राजेश अमोली, कोषाध्यक्ष आचार्य अजय डबराल और अन्य कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

डिजिटल कैंपस और तकनीक समय की जरूरत : सुरेखा

संवाद सहयोगी

देहरादून। आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे तकनीक के इस्तेमाल और ज्ञान को हर शिक्षण संस्थान को अपनाना होगा। आने वाले समय के लिए डिजिटल और तकनीकी कैंपस की सबसे ज्यादा जरूरत होगी। इसके लिए सबसे जरूरी है कि हमारे शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों के जो भी लीडर हैं उनका तकनीकी ज्ञान और विजन साफ हो। ये बात दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने गुरुवार को दून विवि में एक और दो मार्च को संस्थागत नेतृत्व विकास पर होने जा रहे राष्ट्रीय सम्मेलन की जानकारी देते हुए प्रेस क्लब में कही। उन्होंने बताया कि आज देश में हर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति बढ़ रही है। हर क्षेत्र में एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसी तकनीकों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में हमारे जो भी एजुकेशनल हैड और लीडर्स हैं उनको इन सबसे अच्छी तरह रूबरू कराने और एक दूसरे के ज्ञान को साझा करने के लिए ये बेहद अहम सम्मेलन होगा। जिसका आयोजन दून विवि में विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान, यूकास्ट और उच्च शिक्षा विभाग की ओर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में सभी संस्थाओं को साथ काम करने की जरूरत पड़ेगी। इसी की भूमिका बनाने के लिए ये सम्मेलन अहम होगा। उन्होंने बताया कि यूजीसी के चेयरमैन प्रो. एम जगदीश,नैक के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्रबुद्धि, आईआईएम अहमदाबाद के निदेशक डा. भाष्कर सहित देश विदेश के तमाम बड़े संस्थानों के हैड और देश के सभी विवि के कुलपति और राज्य के सभी डिग्री कालेजों के प्रिंसिपल भी इसमें शामिल होंगे। शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और समापन राज्यपाल लेज. (सेनि.) गुरुमीत सिंह करेंगे। इस अवसर पर यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत,डिप्टी डायरेक्टर उच्च शिक्षा प्रो. दीपक पांडे, विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान से प्रो. शिवराज सिंह और डा. राजकुमारी भंडारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

आपदाओं से बचाव के लिए व्यापक जन जागरूकता जरूरी

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को यूएसडीएमए के नव वर्ष 2025 के कैलेंडर (वॉल तथा टेबल टॉप) का विमोचन किया। उन्होंने चम्पावत, रुद्रप्रयाग, चमोली और ऊधमसिंहनगर जनपद के लिए सीएसआर मद में प्राप्त 04 पिकअप वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। इन वाहनों में टैंट, स्लीपिंग बैग, लीफलेट तथा कैलेण्डर रवाना किए गए। इन फॉर बाय फॉर पिक अप वाहनों में 01-01 मिनी जनरेटर, 15 स्लीपिंग बैग एवं 70 टैंट तथा आकाशीय बिजली से बचाव हेतु 9500 लीफलेट एवं 40-40 नव वर्ष कैलेण्डर उपरोक्त प्रत्येक जनपद को भेजे गए। यह वाहन तथा अन्य उपकरण जनपदों में आपदा के दौरान राहत और बचाव कार्यों के लिए उपयोगी साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा आपदाओं का सामना करने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। जागरूकता, सजगता और सतर्कता से आपदा से नुकसान को काफी कम किया जा सकता है। यदि लोग आपदाओं के प्रकार, उनके प्रभाव और सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक होंगे, तो वे अपनी और दूसरों की जान बचाने के लिए सही कदम उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा यूएसडीएमए को नव वर्ष कैलेण्डर में ऋतु अनुसार विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए जागरूकता सामग्री प्रकाशित किए जाने के निर्देश दिए गए थे। उनके निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न माध्यमों से आपदाओं से बचाव के लिए जागरूकता संदेशों तथा सामग्री का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से नियमित तौर पर आपदाओं से सुरक्षा संबंधी पोस्ट, एनीमेटेड वीडियोज को प्रसारित किया जा रहा है। विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु जन सामान्य को किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए तथा क्या-क्या एहतियात बरतने चाहिए, इन्हें लेकर लीफलेट्स मुद्रित किए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य के स्कूलों में प्राथमिक स्तर से ही पाठ्यक्रम में आपदा प्रबंधन विषय को शामिल किये जाने के अनुपालन में यूएसडीएमए के स्तर पर एक कमेटी गठित की गई है। बच्चे यदि आपदाओं के प्रति जागरूक रहेंगे तो यह न केवल उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करेगा बल्कि उन्हें समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करेगा। छोटी उम्र से ही अगर बच्चे भूकंप, बाढ़, तूफान, भूस्खलन, सड़क दुर्घटनाओं जैसी आपदाओं के बारे में सीखेंगे, तो वे आपातकालीन स्थितियों में घबराने के बजाय सही और त्वरित निर्णय ले सकेंगे। सचिव आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि यूएसडीएमए समुदायों को जागरूक करने की दिशा में भी प्रयासरत है। स्थानीय लोग ही फर्स्ट रिस्पांडर्स के तौर पर सबसे पहले किसी भी आपदा का सामना करते हैं। यदि आपदा संभावित क्षेत्र में स्थानीय लोग विभिन्न आपदाओं के प्रति जागरूक और उनके बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित होंगे, तो वे संकट की घड़ी में एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं। यूएसडीएमए द्वारा आपदा मित्रों की तरह ही आपदा सखी बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। गंगा सेवा रक्षा दल एवं राष्ट्रीय हिंदू संगठन ने ऋषिकेश में नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। चेताया कि मामले में निगम ने ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान चलाने में सहयोग नहीं दिया तो आंदोलन किया जाएगा। मेयर शंभू पासवान ने मामले में ऋषिकेश प्रशासन के साथ बैठक कर कार्रवाई सुनिश्चित कराने का भरोसा दिया है। गुरुवार को गंगा सेवा रक्षा दल के नरेन्द्र शर्मा के साथ शहरवासी नगर निगम पहुंचे और मेयर शंभू पासवान को ज्ञापन सौंपा। अवगत कराया कि क्षेत्र में नशे का कारोबार चरम पर है, जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य चौपट हो रहा है। मामले में स्थानीय प्रशासन को कई बार लिखित जानकारी दी गई, लेकिन प्रशासन ने मामले में ध्यान नहीं दिया। बताया कि वह लंबे समय से नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उन्होंने मेयर से मामले में संबंधित विभागों की मीटिंग बुलाकर नशा कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाने की मांग की। चेताया कि निगम प्रशासन ने उनकी समस्या का निदान न किया तो वह शहर में आंदोलन चलाने को बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में सुनील कुमार शर्मा, धीरज कुमार,वासु, संदीप कश्यप, धर्मवीर, जगतपाल, रंजीत यादव, राहुल सक्सेना, दिनेश राणा, मनोज बिजलवान आदि शामिल थे।

वहीं वन बीट अधिकारी-वन आरक्षी संघ के बैनर तले आठवें दिन भी वनारिक्षयों का कार्य बहिष्कार जारी रहा। उन्होंने मुनिकीरेती में डीएफओ कार्यालय के बाहर धरना देते हुए प्रदर्शन किया। नारेबाजी कर आरक्षियों ने मांगों को दोहराया। आरोप लगाया कि सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। जब तक हर आरक्षियों को उनका हक नहीं मिल जाता, तब तक वह कार्य बहिष्कार पर ही रहेंगे। गुरूवार को संघ की टिहरी इकाई अध्यक्ष विकास सेमवाल ने कहा कि धरना-प्रदर्शन व पत्रों के माध्यम से कई दफा सरकार को मांगों से अवगत कराया गया है,

स्वच्छता के प्रति जागरूक लोगों को बांटे स्वच्छता प्रहरी बैच

देहरादून। नगर निगम ने स्वच्छता के प्रति जागरूक लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए नई पहल शुरू की है। निगम ने वेस्ट वॉरियर संस्था के साथ मिलकर 'स्वच्छता प्रहरी बैच वितरण शुरू कर दिया है। गुरुवार को नगर आयुक्त नमामि बंसल ने केवल विहार कॉलोनी में बैच वितरण किया। यहां स्वच्छता के प्रति जागरूक सुनील गुप्ता, वीडी जोशी, रघु अधिकारी, सुधांशु शर्मा, विपिन कुकरेती, आरएस नेगी, मंगल सिंह राठौर आदि लोगों को स्वच्छता प्रहरी बैच बांटे गए। नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता के प्रति हर नागरिक का जागरूक होना जरूरी है। घर से ही गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके देना होगा, तभी उसका सही ढंग से निस्तारण हो पाएगा।

अस्पतालों में डॉक्टरों के सभी पद तीन सालों में भर जाएंगे

संवाद सहयोगी

देहरादून। उत्तराखंड के सभी जिला, उपजिला, बेस और सामुदायिक अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों के सभी पद तीन साल के भीतर भर दिए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सदन में यह जानकारी दी। गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई विधायकों ने अपने अपने क्षेत्र के अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती न होने का मुद्दा उठाया। विधायकों ने कहा कि इस वजह से आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में स्वीकार किया कि राज्य में 50 फीसदी के करीब विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद खाली चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अधिक से अधिक संख्या में एमबीबीएस डॉक्टरों को पीजी करा रही है और तीन साल के भीतर सभी खाली पद भरने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि सदन में आकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि जहां तक सामान्य एमबीबीएस डॉक्टरों की बात है तो राज्य के कई जिलों में पदों की संख्या से ज्यादा डॉक्टर तैनात हैं। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हरीश धामी, खुशाल सिंह अधिकारी, आशा नौटियाल, बृजभूषण गैरोला, प्रीमत सिंह सहित अनेक विधायकों ने स्वास्थ्य संबंधी सवाल पूछे। विधायक हरीश धामी के सवाल के जबाव में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के अस्पतालों में जल्द टैक्नीशियन और पैरामेडिकल के पद भरे जाएंगे। विधायक खुशाल अधिकारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि चंपावत के पाटी प्राथमिक अस्पताल का उच्चीकरण जल्द कर दिया जाएगा।

पंतनगर विश्वविद्यालय में 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन का सफलतापूर्वक शुभारंभ

संवाद सहयोगी

देहरादून। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में 20 से 22 फरवरी, 2025 के मध्य 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन के आयोजन का आज सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार के सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एवं राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु पाठक एवं डॉ. वजीर सिंह लाकरा, सचिव, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, डॉ. मनमोहन सिंह चौहान कुलपति एवं सम्मेलन के संयोजक तथा डॉ. ए.एस. नैन सम्मेलन के आयोजन सचिव मंचासीन थे।

कृषि के इस कुम्भ में नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों, किसानों एवं उद्योगों के प्रतिनिधियों का भारी संख्या में (लगभग 3 हजार की) उपस्थिति हुई। इस वर्ष, सम्मेलन में "विकासशील भारत के लिए कृषि में अग्रणी विज्ञान और प्रौद्योगिकी" विषय पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत के कृषि परिदृश्य को बदलने में नवीन प्रौद्योगिकियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। मुख्य अतिथि राज्यपाल ने अपने साथ अनुभव और ज्ञान का खजाना लेकर इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उन्होंने इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों एवं किसानों की भागीदारी पर अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अपने संबोधन में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों को शुरू करने में सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के आयोजन का लाभ जो हमारा केन्द्र बिन्दु किसान है, को जाना चाहिए। उन्होंने 'लैब टू लैंड' और 'लैब टू पीपल' कार्यक्रमों को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, जो यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार सीधे किसानों को लाभान्वित करें। राज्यपाल ने मजबूत मूल्य श्रृंखला विकसित करने, भंडारण सुविधाओं में सुधार करने और कृषि-उद्यमों को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया, जिसमें न्यूनतम निवेश की आवश्यकता होती है, लेकिन पर्याप्त लाभ मिलता है, जैसे कि मधुमक्खी पालन और मशरूम की खेती। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सम्मान योजना जैसी सरकारी योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला, जो किसानों को आर्थिक रूप से सहायता करती है और उन्हें आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि वातावरण की चुनौतियों के मध्य खाद्यान्न उत्पादन को बनाये रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन एवं डिजिटल तकनीक का कृषि में समावेश अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी पुरस्कार प्राप्त करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. हिमांशु पाठक ने कृषि में उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एकीकरण के महत्व पर एक प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत देष के 50 प्रतिषत से अधिक जनसंख्या कृशि पर निर्भर हैं अत: कृशि को हर एक प्रकार से सुदृढ़ किये जाने की आवष्यकता है। उन्होंने बायो टैक्नोलॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे फर्टिटयर साईंस पर अधिक से अधिक कार्य किये जाने की आवष्यकता है। डॉ. पाठक ने टिकाऊ कृषि प्रथाओं को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो न केवल उत्पादकता को बढ़ाएं बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी करें। विशिष्ट अतिथि एवं सचिव, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी डॉ. वजीर सिंह लाकरा ने बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और कृषि अनुसंधान में उत्कृष्टता को मान्यता देने के महत्व पर प्रकाश डाला।